सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोहित एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन पेज: 7 | रोमांटिक कॉमेडी में अच्छी कहानियों की तलाश कर रही हैं पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 274 | मंगलवार 13 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जयपुर में पंत कृषि भवन में आग लगी, बड़ा नुकसान नहीं

जयपुर एजेंसी: जयपुर स्थित पंत कृषि भवन की तीसरी मंजिल पर सोमवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन दस्ते ने आग पर काबू पा लिया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि आग भवन की तीसरी मंजिल पर एक बंद कमरे में लगी। यह आग हीटर में शॉर्ट सर्किट होने से लगी। उन्होंने बताया कि कमरे से आग की लपटें और घना धुआं निकलते देख, इमारत में मौजूद अधिकारी और कर्मचारी सावधानी के तौर पर बाहर निकल गए। दो अग्निशमन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए तीसरी मंजिल की खिड़कियों के शीशे तोड़े। आग पर काबू पा लिया गया। आग में फर्नीचर और ऑफिस के दूसरे सामान समेत कई चीजें जल गईं।

ग्रीन हाइड्रोजन में भारतीय और जर्मन कंपनियों का नया मेगा प्रोजेक्ट, गेम-चेंजर साबित होगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मौजूदगी में भारत-जर्मनी के बीच हुए गेम चेंजर मेगा प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच हुए विभिन्न समझौतों की अहमियत बताई। प्रधानमंत्री ने कहा, विवेकानंद जयंती पर चांसलर मर्ज की भारत यात्रा भारत-जर्मनी संबंधों को नई ऊर्जा और विस्तार दे रही है प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा, ह्लस्वामी विवेकानंद जयंती के दिन चांसलर मर्ज का भारत में स्वागत करना मेरे लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। ये एक सुखद संयोग है कि स्वामी विवेकानंद जी ने ही भारत

और जर्मनी के बीच दर्शन, ज्ञान और आत्मा का सेतु बनाया था। आज चांसलर मर्ज की यह यात्रा उसी सेतु को नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया विस्तार प्रदान कर रही है। चांसलर के रूप में यह उनकी भारत ही नहीं, बल्कि एशिया की भी पहली यात्रा है। यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि वे भारत के साथ संबंधों को कितना गहरा महत्व देते हैं। पीएम मोदी ने भारत-जर्मनी सहयोग को मानवता के लिए अहम बताया, 50 अरब डॉलर व्यापार और बढ़ते निवेश को मील का पत्थर कहा, जो रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा देता है पीएम मोदी ने इस यात्रा को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारे स्ट्रटीजिक पार्ट्नर्शिप को नई ऊर्जा दी है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार अब तक के अपने

ग्रीन हाइड्रोजन में दोनों देशों की कंपनियों का.....

इसके साथ ही पीएम मोदी ने उस मेगा प्रोजेक्ट की बात की जो दोनों देशों के लिए गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा, ग्रीन हाइड्रोजन में दोनों देशों की कंपनियों का नया मेगाप्रोजेक्ट भविष्य की ऊर्जा के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा।

सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुका है और 50 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां लंबे समय से भारत में मौजूद हैं। ये भारत के प्रति उनके अटूट विश्वास और यहां मौजूद अनंत संभावनाओं को दशार्ता है। आज सुबह भारत-जर्मनी सीईओ फोरम में इसकी जीवंत झलक दिखाई दी। पीएम मोदी ने कहा, भारत-जर्मनी तकनीकी सहयोग मजबूत हुआ है, रिन्यूएबल एनर्जी व नवाचार के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा प्रधानमंत्री ने उन समझौतों और सहयोग की बात की जो दोनों देशों के बीच है। बोले, भारत और जर्मनी के बीच टेक्नोलॉजी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। इसमें सहयोग को बढ़ाने के लिए हमने इंडिया जर्मनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का निर्णय लिया है। ये नॉलेज, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन का साझा मंच बनेगा। हम क्लाइमेट, एनर्जी, अर्बन डेवलपमेंट और अर्बन मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में मिलकर नई परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने ग्रीन हाइड्रोजन मेगाप्रोजेक्ट को गेम चेंजर बताया, एमओयू से भारत-जर्मनी सहयोग और सप्लाई चेन मजबूत होंगी इसके साथ ही पीएम मोदी ने उस मेगा प्रोजेक्ट की बात की जो दोनों देशों के लिए गेम चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा, ग्रीन हाइड्रोजन में दोनों देशों की कंपनियों का नया मेगाप्रोजेक्ट भविष्य की ऊर्जा के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। भारत और जर्मनी सिक्योर, ट्रस्टेड, और रेसिलिएंट सप्लाई चेन्स निर्माण के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

सीएम योगी का अधिकारियों को अल्टीमेटम, 'अवैध अतिक्रमण पर चले बुलडोजर, कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान विभिन्न जिलों के याचिकाकताओं से मुलाकात की और उनकी शिकायतें सुनीं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनता से आवेदन प्राप्त होने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भूमि माफियाओं और दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुद्दों का शीघ्र और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और जनता को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी

चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुछ याचिकाकताओं ने भूमि अतिक्रमण और मारपीट की शिकायत दर्ज कराने के लिए मुख्यमंत्री से संपर्क किया। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और उनके आवेदन प्राप्त किए। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को जिला स्तरीय कानून और राजस्व मामलों की सुनवाई और समाधान में तेजी लाने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिला, मंडल, रेंज और जोन स्तर पर प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बाहुबलियों और भूमि माफियाओं के खिलाफ नियमित रूप से सख्त से सख्त कार्रवाई जारी रखें। उत्तर प्रदेश सरकार ने 31 जनवरी तक राज्य भर में 'सड़क सुरक्षा माह' मनाया है, जिसमें 'अपने परिवारों और अपने भविष्य की रक्षा' करने और सवारों और पैदल यात्रियों के सड़क व्यवहार में बदलाव लाने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लापरवाही से वाहन चलाने के कारण राज्य में हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के 20 'दुर्घटनाग्रस्त जिलों' में विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य ऐसी मौतों को शून्य तक लाना है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने पोस्ट में लिखा, 31 जनवरी तक हम राज्य भर में 'सड़क सुरक्षा माह' मना रहे हैं। यह अपने परिवारों और अपने भविष्य की रक्षा करने का संकल्प है।

बीएमसी चुनाव में राज ठाकरे के उठा लुंगी बजा पुंगी वाले नारे पर मचा सियासी घमासान, अन्नामलाई ने किया पलटवार

मुंबई एजेंसी: महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर भाषा और पहचान को लेकर विवाद तेज हो गया है। हम आपको बता दें कि तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के बीच तीखी बयानबाजी सामने आई है। मामला तब गरमाया जब राज ठाकरे ने एक सार्वजनिक रैली में अन्नामलाई को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए उन्हें रस मलाई कहा और यह सवाल उठाया कि तमिलनाडु से आए व्यक्ति का महाराष्ट्र की राजनीति से क्या लेना देना है। राज ठाकरे ने इस दौरान पुराने क्षेत्रीय नारों का भी संदर्भ दिया और यह संकेत देने की कोशिश की कि महाराष्ट्र में बाहरी लोगों का दबदबा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र मराठी लोगों की मेहनत से खड़े हुए हैं और यहां

किसी भी तरह की भाषा थोपने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इसे मराठी अस्मिता का सवाल बताया और मुंबई महानगरपालिका चुनाव को मराठी समाज के लिए निर्णायक बताया। राज ठाकरे ने उठा लुंगी बजा पुंगी नारा भी लगवाया जिससे माहौल गर्मा गया। इसके जवाब में के. अन्नामलाई ने बेहद आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर मुंबई आने पर उन्हें धमकाया जाएगा या उनके साथ हिंसा की बात की जाएगी तो वह इससे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर डर ही उनका स्वभाव होता तो वह सार्वजनिक जीवन में आते ही नहीं। अन्नामलाई ने यह सवाल भी उठाया कि अगर भारत एक है तो फिर किसी नेता को उत्तर भारतीय या दक्षिण भारतीय जैसे शब्दों में लोगों को बांटने का अधिकार किसने दिया। उन्होंने कहा कि देश के हर कोने के लोग मुंबई में मेहनत करते हैं और शहर की प्रगति में योगदान देते हैं। इस बयानबाजी के बाद राजनीतिक माहौल और ज्यादा गरमा गया है और यह साफ हो गया है कि चुनावों में भाषा और पहचान एक बड़ा मुद्दा बनने वाला है। देखा जाये तो राज ठाकरे द्वारा कभी उत्तर भारतीयों तो कभी दक्षिण भारतीयों के खिलाफ दिए जाने वाले बयान कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों में इसके परिणाम अब पहले से कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। मुंबई जैसे महानगर में राजनीति केवल मराठी बनाम गैर मराठी तक सीमित नहीं रही है। आज यह शहर आर्थिक अवसरों और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। ऐसे में किसी भी एक समाज को निशाना बनाकर की गई

इसरो को लगा तगड़ा झटका: पीएसएलवी सी62 मिशन फेल, ऑर्बिट से पहले ही अंतरिक्ष में गायब हो गया 'अन्वेषा'

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को 2026 के अपने पहले ऑर्बिटल मिशन में तकनीकी असफलता का सामना करना पड़ा है। इस मिशन के तहत पीएसएलवी-सी62 रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था, लेकिन रॉकेट से जुड़ा मुख्य सैटेलाइट तय कक्षा में स्थापित नहीं हो सका। यह लॉन्च आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के पहले लॉन्च पैड से किया गया था। उड़ान के शुरूआती चरणों में रॉकेट की कार्यप्रणाली सामान्य रही, लेकिन ऑर्बिट में सैटेलाइट की तैनाती से पहले मिशन में गड़बड़ी सामने आई। ईओएस-एन1 अन्वेषा था मिशन का प्रमुख पेलोड इस मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस-एन1, जिसे अन्वेषा नाम दिया गया था, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया एक हाइपरस्पेक्ट्रल सैटेलाइट था। इसे

उन्नत पृथ्वी अवलोकन (एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन) से जुड़े विभिन्न उपयोगों के लिए तैयार किया गया था। अन्वेषा सैटेलाइट का उद्देश्य पृथ्वी की सतह से जुड़े सूक्ष्म डेटा को उच्च गुणवत्ता के साथ एकत्र करना था, जिससे रक्षा और निगरानी से जुड़े अनुप्रयोगों में मदद मिल सकती थी। लॉन्च सफल, लेकिन मिशन पूरा नहीं हो सका इसरो के अनुसार, रॉकेट का प्रक्षेपण सफल रहा और प्रारंभिक चरणों में सभी सिस्टम सामान्य रूप से काम करते दिखे। हालांकि, सैटेलाइट को ऑर्बिट में स्थापित करने से पहले संपर्क टूट गया, जिसके बाद यह मिशन अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया। फिलहाल इसरो की तकनीकी टीम इस असफलता के कारणों की जांच कर रही है, ताकि भविष्य के मिशनों में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

'घिनौना आचरण', ट्रेन में पेशाब करने वाले जज के मामले पर सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली एजेंसी: मध्य प्रदेश के एक सिविल जज के खिलाफ ट्रेन में पेशाब करने और दुर्व्यवहार करने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह एक 'घिनौना आचरण' है। न्यायालय ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि जज का व्यवहार 'चौंकाने वाला' है। क्या हुआ था? 2018 में इंदौर से जबलपुर की ट्रेन यात्रा के दौरान सिविल जज ने शराब पीकर हंगामा किया, सह-यात्रियों और रेलवे स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार किया, और एक महिला यात्री की सीट पर पेशाब कर दिया। इसके बाद जज को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, लेकिन मई 2025 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनकी बर्खास्तगी को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि हम समझ नहीं पा रहे हैं कि हाईकोर्ट ने ऐसा फैसला कैसे दिया... एक न्यायिक अधिकारी का ऐसा घिनौना आचरण। आपने सभी गवाहों को अपने पक्ष में कर लिया। यह एक चौंकाने वाला मामला है। आपने कंपार्टमेंट में पेशाब किया।

ममता सरकार के खिलाफ ईडी ने खटखटाया एससी का दरवाजा, रखी सीबीआई जांच की मांग

कोलकाता एजेंसी: कोलकाता में राजनीतिक रणनीतिकार संस्था आई-पीएसी और इसके निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद अब कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। ईडी ने इस संबंध में एससी का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने कोर्ट में में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी अर कोलकाता पुलिस कमिश्नर पर जांच में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया है। क्या है पूरा विवाद? ईडी के मुताबिक 8 जनवरी 2026 को 2,742 करोड़ के कोयला तस्करी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रतीक जैन के आवास और आई-पीएसी के दफ्तर पर वैधानिक तलाशी ली जा रही थी। एजेंसी का दावा है कि इस घोटाले के करीब 20 करोड़ रुपये हवाला के जरिए आई-पीएसी तक पहुंचे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद भारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचीं और

केंद्रीय एजेंसी की कार्यवाही को रोका। ईडी का कहना है कि पुलिस ने जब्त किए गए लैपटॉप, मोबाइल और महत्वपूर्ण दस्तावेज जबरन अपने कब्जे में ले लिए और करीब दो घंटे तक उन्हें वापस नहीं किया। ईडी की मुख्य मांगें- सीबीआई जांच: मुख्यमंत्री और पुलिस अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। FIR पर रोक: ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोलकाता में दर्ज चार 'प्रतिशोधात्मक' एफआईआर पर तुरंत रोक लगाई जाए। सुरक्षा और संरक्षण: एजेंसी के अधिकारियों को भविष्य की कार्रवाई के लिए सुरक्षा दी जाए और जब्त किए गए डिजिटल सबूतों को सील कर फॉरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। आई-पीएसी और राज्य सरकार का पक्ष दूसरी तरफ, आई-पीएसी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संस्था ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि वे जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं और किसी भी चुनावी डेटा की जब्ती की बात गलत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताया है।

प्रधानमंत्री करेंगे सीएसपीओसी का उद्घाटन, पूरी तरह ऐप आधारित होगा आयोजन: ओम बिरला

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन सी एस पीओसी 2026 का आयोजन 14 से 16 जनवरी तक दिल्ली में होगा जिसमें राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्ष, पीठासीन अधिकारी और प्रतिनिधि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, नवाचार और संसदीय प्रक्रियाओं को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत की मेजबानी में आयोजित हो रहे 28वें सम्मेलन के पहले दिन 14 जनवरी को सीएसपीओसी की कार्यकारी परिषद की बैठक होगी और 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि इस सम्मेलन में पाकिस्तान की भागीदारी नहीं रहेगी, वहीं बांग्लादेश में संसद भंग होने की वजह से उसकी सहभागिता नहीं होगी। बिरला ने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है पाकिस्तान इसमें भाग नहीं ले रहा है।" बिरला ने कहा कि सम्मेलन में इनके अलावा कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया समेत कई राष्ट्रमंडल देशों की भागीदारी रहेगी और 42 देशों ने अपने शामिल होने की पुष्टि कर दी है। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि

साइप्रस और युगांडा जैसे कुछ देशों के संसद प्रतिनिधि वहां चुनाव होने या संसद सत्र होने जैसे कारणों से भाग नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा सचिवालय ने इस आयोजन के लिए एक विशेष ऐप जारी किया है और इसमें मेहमान देशों को आमंत्रित करने से लेकर उनके आने तक समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित हो रही है। पहली बार सीएसपीओसी 2026 में ह्यवेब आधारित इवेंट मैनेजमेंट प्रणाली' का इस्तेमाल किया जा रहा है। बिरला ने कहा कि उनकी अध्यक्षता में आयोजित होने वाले सीएसपीओसी के सत्रों से दुनियाभर में संदेश जाएगा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में किस तरह

राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) 2026 का आयोजन 14 से 16 जनवरी तक दिल्ली में होगा जिसमें राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्ष, पीठासीन अधिकारी और प्रतिनिधि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, नवाचार और संसदीय प्रक्रियाओं...

सहमति-असहमति के बीच विचारों के साथ विकास यात्रा चलती है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की ओर से निष्पक्षता बनाकर रखना और उसे मजबूत करना, संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न स्वरूपों में इसकी समझ और जानकारी को बढ़ावा देना तथा संसदीय संस्थाओं को विकसित करना है। सम्मेलन में चर्चा के विषयों में संसद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई का उपयोग और नवाचार साझा करने जैसे विषय शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और सांसदों पर इसका प्रभाव, मतदान से परे जनता की संसद को लेकर समझ को बढ़ावा देने वाली नवाचार पूर्ण रणनीतियों और संसद सदस्यों एवं संसदीय कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कुशलता जैसे विषयों पर राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधि दो दिन तक विभिन्न सत्रों में चर्चा करेंगे। बिरला ने कहा कि सम्मेलन के विशेष पूर्ण सत्र में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाकर रखने में अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से कुछ विद्यार्थी भी दर्शक दीर्घा में बैठकर कार्यवाही देखेंगे। इसका सीधा प्रसारण संसद टीवी और ऐप पर किया जाएगा। बिरला ने कहा कि राष्ट्रमंडल की 67 सदस्य संसदों में से इस बार के सम्मेलन में 61 पीठासीन अधिकारी भाग ले रहे हैं और इस बार सम्मेलन के इतिहास में सबसे ज्यादा भागीदारी होगी।

संपादकीय

500 फीसदी टैरिफ लगा, तो?

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साथ कई मोर्चे खोल लिए हैं। वह क्यूबा, कोलंबिया, ग्रीनलैंड सरीखे छोटे देशों को बंधक बना कर अमरीका के उपनिवेश बनाने पर आमादा हैं, लिहाजा वेनेजुएला की तरह हमले की धमकियां दे रहे हैं। ईरान के चारों ओर भी अमरीकी विमान, युद्धपोत आदि मंडरा रहे हैं, घातक डेल्टा फोर्स को भी तैनात करने की खबरें हैं। हालांकि अमरीका जानता है कि ईरान कमजोर देश नहीं है। ईरान एक सैन्य ताकत है। वह परमाणु सम्पन्न मिसाइलों से अमरीका के वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों पर विनाशक हमले करने में सक्षम है। अमरीकी सीनेट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जिसके साफ मायने हैं कि अमरीकी संसद की अनुमति के बिना ट्रंप किसी भी देश पर हमला नहीं कर सकते अथवा युद्ध में जाने का सेनाओं को आदेश नहीं दे सकते। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को अलग-अलग मोर्चों पर धमकाने, हडकाने में जुटे हैं। ये अर्द्ध-तानाशाही के संकेत हैं। उन्होंने रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दी है, जो इसी सप्ताह संसद के पटल पर पेश किया जा सकता है। यदि यह बिल पारित हो गया, तो आर्थिक अराजकता का माहौल बनना तय है। बिल में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं कि जो भी देश रूस से तेल, गैस और अन्य उत्पादों की खरीद करेगा, अमरीका उस पर 500 फीसदी का टैरिफ थोप सकता है। यानी उन देशों का जो भी माल अमरीकी बाजार में आएगा, उस पर 500 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप की कुटिल निगाहें भारत, चीन, ब्राजील पर हैं। भारत ने बीते चार साल में रूस से 1.73 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल खरीदा है। भारत अब भी अपनी जरूरतों का 30-32 फीसदी तेल रूस से ही खरीदता है।

चीन तो 48 फीसदी तक तेल रूस से खरीदता है। रूस से सबसे अधिक पाइपलाइन गैस की खरीद यूरोपीय संघ के देश करते हैं। अमरीका भी सबसे अधिक यूरेनियम रूस से ही खरीदता है। उन पर प्रतिबंध क्यों नहीं हैं? यूरोपीय देशों पर 500 फीसदी तक के टैरिफ की धमकियां क्यों नहीं दी जातीं? जापान, दक्षिण कोरिया, तुर्किए पर भारत से बहुत कम टैरिफ क्यों है? भारत-अमरीका में जो व्यापार-समझौता होना था, वह इसलिए खटाई में पड़ गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। नतीजतन अमरीका ने इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस के साथ व्यापार-करार कर लिए। अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक का यह बयान हास्यास्पद लगता है, क्योंकि 2025 में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 8 बार फोन पर बातचीत हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी की है। बहरहाल मुद्दा 500 फीसदी टैरिफ का है। भारत पर फिलहाल 50 फीसदी टैरिफ चस्पा है, जिसके कारण हमारा निर्यात बहुत प्रभावित हुआ है। हमारी आर्थिक विकास दर, अंततः, 7 फीसदी से अधिक रहेगी, इसी पर संतुष्ट होना नुकसानदेह है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

क्या दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर है?

सनत जैन

मध्य-पूर्व एक बार फिर वैश्विक राजनीति के सबसे विस्फोटक केंद्र के रूप में उभर आया है। ईरान में जिस तरह के प्रदर्शन सत्ता परिवर्तन के लिए हो रहे हैं इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीधे हस्तक्षेप कर रहे हैं। उसके बाद ईरान सरकार द्वारा परमाणु बम को लेकर जो धमकी दी जा रही है, परोक्षझ्रअपरोक्ष धमकियाँ, अमेरिका का ईरान में सत्ता परिवर्तन के संकेतों वाला हस्तक्षेपकारी रवैया और इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ तेज होता आंतरिक विरोध। यह सभी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर अस्थिरता की ओर धकेलती दिख रही हैं। इसका असर सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी और सामरिक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है, क्या मौजूदा हालात दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रहे हैं? क्या सारी दुनिया को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से पश्चिमी देशों की चिंता का विषय रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं, जबकि ईरान परमाणु कार्यक्रम को अपनी संप्रभुता और आत्मरक्षा से जोड़ता है। यदि अमेरिका सीधे ईरान पर सैन्य हमला करता है तो यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहेगा। इसके वैश्विक नतीजे देखने को मिलेंगे। ईरान को चीन और रूस खुलकर मदद कर रहे हैं। मध्य-पूर्व में पहले से ही अस्थिरता चरम पर है। एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक सकती है। ऐसी स्थिति में रूस और चीन की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। रूस, जो पहले से ही यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से टकराव में है, ईरान को वह रणनीतिक साझेदार मानता है। अमेरिका के एक तरफा सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध रूस करेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। कूटनीतिक मंचों पर हो या अप्रत्यक्ष सैन्य सहयोग के रूप में चीन भी हर हालत में ईरान के साथ रहेगा। चीन ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार संतुलन को लेकर सजग रहता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ लगाकर सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किए हुए हैं, उसके बाद चीन युद्ध को खुलकर समर्थन भले ना दे, अमेरिका-विरोधी ध्रुवीकरण में वह ईरान के पक्ष में ही मजबूती के साथ खड़ा होगा। इससे स्पष्ट रूप से दुनिया के देश बहुध्रुवीय संघर्ष की ओर बढ़ेंगे। इजराइल के भीतर नेतन्याहू सरकार के खिलाफ बढ़ता जनआक्रोश भी इस संकट को जटिल बनाता है। आंतरिक राजनीतिक दबाव कई बार सरकारों को बाहरी दुश्मन के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए प्रेरित करता है। ताकि घरेलू असंतोष से ध्यान हटाया जा सके। दुनिया कई देशों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर वहां की सरकारों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं, जिसके कारण वर्तमान स्थिति में यह प्रवृत्ति क्षेत्रीय शांति के लिए घातक हो सकती है। दूसरी ओर, अमेरिका के भीतर डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बढ़ते प्रदर्शन, यूरोपीय देशों विशेषकर कनाडा और ग्रीनलैंड से जुड़े विवाद, अमेरिकी नेतृत्व की वैश्विक विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यूरोप अब पहले की तरह बिना सवाल किए वाशिंगटन की राह पर चलने को तैयार नहीं दिख रहा है। इन सभी घटनाओं का सम्मिलित प्रभाव यह संकेत देता है, दुनिया एक खतरनाक मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। जिस तरह की आर्थिक चुनौतियां तथा कर्ज की समस्या से सभी देशों को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामलों में अपने ही देश की जनता का विरोध झेलना पड़ रहा है। आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब हो रही है। वर्तमान तनाव को देखते हुए सीधे तीसरे विश्व युद्ध की शुरूआत कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना स्पष्ट है, यदि कूटनीति का स्थान सैन्य ताकत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, तो परिणाम विश्व के लिए विनाशकारी होंगे। वर्तमान में आवश्यकता शक्ति-प्रदर्शन की नहीं, बल्कि संवाद, संयम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की है। जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि का पालन अमेरिका सहित समर्थ देशों द्वारा नहीं किया जा रहा है। उसके कारण भी स्थिति दिन प्रति दिन यह आशंका बनने लगी है क्या एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध का इतिहास दोहराया जा सकता है।

औपनिवेशिक सोच से मुक्ति, विकाश की पटरी पर भारतीय रेल

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी का मिशन,केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का विजन –नए भारत की विकास यात्रा की स्वर्णिम गाथा...

भारतीय रेल केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं है।यह इस देश की जीवनरेखा है–एक ऐसा विशाल तंत्र,जिसमें भारत की आत्मा धड़कती है।लोहे की पटरियों पर दौड़ती ट्रेनें सिर्फ यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक नहीं पहुँचातीं,बल्कि वे भारत की सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक चेतना को भी निरंतर गतिमान रखती हैं।किसान का पसीना,मजदूर की थकान,विद्यार्थी के सपने,सैनिक का संकल्प और माँ की ममता–सब एक साथ भारतीय रेल में यात्रा करते हैं।करोड़ों यात्री प्रतिदिन भारतीय रेल पर केवल गंतव्य तक पहुँचने का भरोसा नहीं करते,बल्कि सम्मान, सुरक्षा और संवेदनशील व्यवहार की अपेक्षा भी रखते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आजादी के पचहत्तर वर्ष बाद भी यदि भारतीय रेल के भीतर औपनिवेशिक सोच के अवशेष दिखाई देते हैं,तो यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं,बल्कि राष्ट्रीय चेतना के लिए भी गहन आत्ममंथन का विषय बन जाता है। यही पीड़ा व चिंता केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के उस स्पष्ट कथन में अभिव्यक्त होती है,जब वे कहते हैं कि 'भारतीय रेल को औपनिवेशिक मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करना समय की माँग है।' यह वाक्य किसी औपचारिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि दशकों की जड़ता को तोड़ने का वैचारिक उद्घोष है। इसका प्रमाण हमें विगत दिनों नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित रेलवे कर्मी वार्षिक सम्मान समारोह में रेल मंत्री के उद्गारों में एक सच्चे रेल सेवक का भाव स्पष्ट झलकता था।उनका प्रश्न सीधा और मार्मिक था–जो रेल भारत की आत्मा है,वह अब भी उस सोच के बोझ तले क्यों दबी रहे,जो कभी शासक और शासित के बीच गहरी खाई बनाकर रखती थी?

ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय रेल का निर्माण भारतीयों की सुविधा के लिए नहीं हुआ था।उसका मूल उद्देश्य था–औपनिवेशिक शासन को मजबूत करना,प्राकृतिक संसाधनों की लूट को आसान बनाना और सैनिक आवाजाही को नियंत्रित करना।उस दौर में रेलयात्री एक नागरिक नहीं,बल्कि एक 'प्रजा' था,जिससे सम्मान और मानवीय व्यवहार की अपेक्षा ही नहीं की जाती थी।दुर्भाग्य से,स्वतंत्रता के बाद भी दशकों तक वही मानसिकता व्यवस्था के भीतर किसी न किसी रूप में बनी रही।ट्रेन में बैठा

यात्री अकसर स्वयं को व्यवस्था के सामने असहाय महसूस करता रहा।काला कोट पहने टीटी की कठोर भाषा, कर्मचारी का स्वयं को 'हाकिम' समझना,यात्रियों को संदेह या अपराधी की दृष्टि से देखना–ये सब औपनिवेशिक मानसिकता के जीवंत उदाहरण रहे।रेल सेवा,सेवा से अधिक सत्ता प्रदर्शन का माध्यम बनती चली गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि भारतीय रेल को विश्वस्तरीय बनना चाहिए–तकनीक में अग्रणी,सुरक्षा में भरोसेमंद और संवेदनशीलता में मानवीय।उनका सपना केवल तेज ट्रेनें चलाने का नहीं,बल्कि एक ऐसी रेल व्यवस्था गढ़ने का है,जो नए भारत की आत्मा को प्रतिबिंबित करे।रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव उसी सपने को नीतियों से निकालकर पटरियों पर उतारने का कार्य कर रहे हैं।उनके नेतृत्व में भारतीय रेल केवल स्टेशन और ट्रेनें नहीं बदल रही,बल्कि अपना स्वभाव और संस्कार भी बदल रही है।यह परिवर्तन ऊपर से थोपा हुआ नहीं, बल्कि भीतर से उपजा हुआ परिवर्तन है–जहाँ यात्री केंद्र में है, और कर्मचारी सेवा के माध्यम के रूप में स्वयं को देखता है।ऐसे में अश्विनी वैष्णव का मानना है कि भारतीय रेलवे का प्रत्येक कर्मचारी सत्ता का प्रतिनिधि नहीं,बल्कि सेवा का माध्यम है।हमारे यात्री कोई बोझ नहीं,बल्कि सम्मानित अतिथि है। जब यह भाव कर्मचारी के मन में उतरता है,तभी रेल यात्रा केवल एक सफर नहीं,बल्कि सुखद अनुभव बनती है।औपनिवेशिक सोच से मुक्ति का यही वास्तविक आरंभ है।

इंफ्रास्ट्रक्चर बदला जा सकता है, नई तकनीक लाई जा सकती है, लेकिन मन बदलना सबसे कठिन कार्य है।वे इस कटु सत्य को समझते हैं। इसलिए प्रशिक्षण, संवेदनशीलता, जवाबदेही और सम्मान की संस्कृति पर विशेष बल दिया जा रहा है। रेलकर्मी को यह एहसास कराया जा रहा है कि वह डर पैदा करने वाला अधिकारी नहीं,बल्कि यात्रा को आसान बनाने वाला साथी है। आज भारतीय रेल का चेहरा और चाल–दोनों बदले हुए दिखाई देते हैं।जहाँ पहले रेल विस्तार की गति सुस्त थी,वहीं अब हर वर्ष हजारों किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण हो रहा है।बजट और निवेश के आँकड़े बताते हैं कि रेल अब केवल एक विभाग नहीं,बल्कि राष्ट्र निर्माण का प्रमुख औजार बन चुकी है। यह बदलाव केवल धन का नहीं, बल्कि दृष्टि का है।पुनर्विकसित स्टेशन,समयबद्ध ट्रेनें,सवच्छ वातावरण,डिजिटल टिकटिंग, पारदर्शी प्रक्रियाएँ–ये सब उस नई सोच के प्रमाण हैं,जिसमें यात्री केंद्र में है,न कि व्यवस्था।ऐसे में वंदे भारत ट्रेन इस बदली हुई दृष्टि का सबसे सशक्त प्रतीक है।यह केवल गति या आधुनिक सुविधाओं का नाम नहीं,बल्कि आत्मनिर्भर भारत की जीवंत अभिव्यक्ति है।भारत में डिजाइन की गई,भारत में निर्मित और भारतीय यात्रियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित–वंदे भारत औपनिवेशिक मानसिक गुलामी पर करारा प्रहार है,जिसने हमें दशकों तक विदेशी तकनीक पर निर्भर बनाए रखा।

वंदे भारत में बैठा यात्री स्वयं को सम्मानित महसूस करता है।यही बदलाव की असली पहचान है।वहीं अमृत भारत ट्रेन यह सिद्ध करती है कि यह परिवर्तन केवल प्रीमियम वर्ग तक सीमित नहीं,बल्कि आम आदमी तक पहुँचा है–जहाँ सुरक्षित,सुलभ और सम्मानजनक यात्रा प्राथमिकता है।

वही जब वंदे भारत की सुरीली सीटी सुनाई देती है,अमृत भारत ट्रेन आम यात्रियों को बेहतर अनुभव देती है, बुलेट ट्रेन भविष्य की रफ्तार का संकेत देती है और हाइड्रोजन ट्रेन हरित सुनहरे भविष्य की उम्मीद जगती है कि भारतीय रेल अब अतीत की परछाईं नहीं,बल्कि भविष्य की प्रतिविम्ब बन चुकी है।

अमृतकाल का नया भारत यह संदेश दे रहा है कि वह केवल तकनीक अपनाने में सक्षम नहीं,बल्कि भविष्य का नेतृत्व करने का आत्मविश्वास भी रखता है। भारतीय रेल केवल पटरियों पर नहीं दौड़ रही, बल्कि देश की आकांक्षाओं को गति दे रही है।

आज भारतीय रेल विकाश की पटरी सचमुच बदल चुकी है।अब केवल ट्रेनें नहीं बदली हैं–सोच बदल रही है।जब सोच बदलती है,तभी यात्रा सच अर्थों में नए भारत की ओर बढ़ती है।औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति केवल एक नारा नहीं,बल्कि एक सतत प्रक्रिया है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी के मिशन, .केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के विजन ने स्पष्ट दिशा दी है।भारतीय रेल अब अतीत के अंधकार से मुक्त होकर,उज्जव भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर हो रही है,जहाँ सेवा,सम्मान और संवेदन शीलता के नए मानक गढ़ते हुए अमृत काल में स्वर्णिम भारत के इतिहास स्वर्णाक्षर में अंकित होने के लिए आतुर है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

उत्तर भारत में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में ह्यलाल लाहीह्न नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे ह्यपंजाबी रॉबिनहुडह्न का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया। गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा। लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को ह्यईश्वर का उपहारह्न मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जिलाधिकारी ने कई विकास योजनाओं और निमार्णाधीन कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सोमवार को कई विकास योजनाओं और निमार्णाधीन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मोहरका पट्टी में मनरेगा के तहत मिशन 500 के अंतर्गत तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब की खुदाई के कार्य में सृजित मानव दिवस और इनलेट की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि तालाब के किनारों चकरोड से ऊंचे न बनाए जाए ताकि पानी आसानी से आ सके। तालाब के चारों और किनारों पर पौधरोपण करने के भी निर्देश दिए। मोहरका पट्टी में निमार्णाधीन अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण कर तेजी लाते हुए गुणवत्तापरक तरीके से कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश दिए। तिगरी ग्राम में स्थित पीएम श्री विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यालय के विस्तारीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्राम कांकाठेर में ग्रामीण हाट बाजार का निरीक्षण किया और उसको बहुउद्देशीय रूप से प्रयोग करने पर जोर दिया। हाट बाजार को किचन, शेड और अन्य सुविधाओं से युक्त करते हुए बरात घर के रूप में उपयोग करने के निर्देश दिए। इसके साथ आय बढ़ाने के उद्देश्य से और दुकानें निर्माण करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। ग्राम कुमराला में समूह की महिलाओं द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण किया और अपने सामने राशन का वितरण कराया। उन्होंने आमदनी बढ़ाने के लिए समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों की बिक्री करने के निर्देश दिए। उपस्थित ग्राम प्रधान से कूड़ा एकत्रीकरण और आरआरसी केंद्र की क्रिया शीलता की जानकारी ली। ग्राम तिगरी में उत्सव भवन के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण कर डीपीआरओ को प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फोन का जवाब नहीं देते अधिकारी, तो कैसे मिलेगी गरीबों को सरकार की योजनाओं की जानकारी

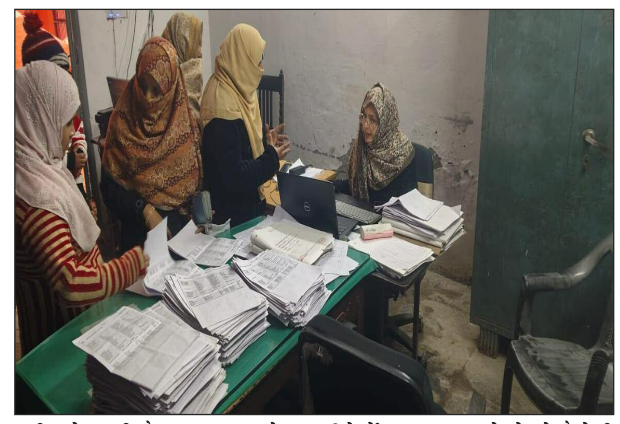

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही चरम पर पहुंच गई है। अधिकारी न केवल अपने कार्यालय से अनुपस्थित रहते हैं, बल्कि फोन कॉल्स का भी जवाब नहीं देते। इससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना बेहद मुश्किल हो गया है, बल्कि कई मामलों में यह नामुमकिन सा हो रहा है। विशेष रूप से अमरोहा सदर तहसील में पूर्ति निरीक्षक प्रीति शर्मा की लापरवाही सुर्खियों में है। वे नियमित रूप से अपने कार्यालय से गायब रहती हैं। जब स्थानीय समाचार पत्र के संवाददाता ने उनके कार्यालय का दौरा किया, तो वहां पूर्ति निरीक्षक मौजूद नहीं थीं। उनके साथ लगातार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन प्रीति शर्मा ने कोई कॉल नहीं उठाया। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट आदेश दिए हैं कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने कार्यालय में मौजूद रहकर जनता की समस्याएं सुनें और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। लेकिन प्रीति शर्मा जैसे अधिकारी इन आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे शासन और प्रशासन के निदेशों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ऐसी लापरवाही से गरीबों के राशन और अन्य लाभों पर डाका डाला जा रहा है। इससे जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों की छवि धूमिल हो रही है। आम जनता को उम्मीद है कि उच्चाधिकारी इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे, ताकि सरकारी योजनाओं का असली लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

सड़क सुरक्षा माह के तहत स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज अमरोहा रोडवेज बस स्टेशन (बंबूगढ़) पर एक विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में रोडवेज के चालकों, परिचालकों, तकनीकी कर्मचारियों और यात्रियों के नेत्र परीक्षण किए गए।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के अनुरोध पर सीएमओ डॉ. योगेंद्र सिंह ने नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम को बस स्टैंड पर भेजा। सोमवार सुबह टीम पहुंची और एआरएम रोडवेज सी. गौड़ की व्यवस्था में नेत्र जांच शुरू हुई। चालक-परिचालकों के परीक्षण को देखकर कई यात्रियों ने भी स्वेच्छा से जांच कराई। कुल 82 लोगों (जिनमें 16 यात्री शामिल) का नेत्र परीक्षण किया गया। इनमें से 3 परिचालकों और 4 यात्रियों सहित 7 लोगों को चश्मा बनवाने की सलाह दी गई।इसके साथ ही परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा के लिए सख्त कार्रवाई भी जारी रखी। आज हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, मोबाइल फोन का उपयोग करने और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसे उल्लंघनों पर 201 वाहनों का चालान काटा गया।कार्यक्रम में पीटीओ सुधीर सिंह, स्टेशन इंचार्ज मोहम्मद साजिद और रोडवेज कर्मचारी मोहम्मद नाजिर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। यह पहल न केवल ड्राइवरों की दृष्टि सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है, बल्कि सड़क हादसों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

कर्मचारियों के राम भरोसे चल रहा श्रम प्रवर्तन विभाग, जिम्मेदार बने अनजान, कैसे होगा गरीबों की समस्याओं का समाधान

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद अमरोहा के विकास भवन स्थित श्रम प्रवर्तन विभाग वर्तमान में कर्मचारियों के 'राम भरोसे' चल रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं यहां कागजों पर ही सिमटकर रह गई हैं। विभागीय अधिकारी की खाली कुर्सी गरीबों की बदहाली और लापरवाही की गवाही दे रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2025 में शासनादेश के तहत श्रम प्रवर्तन अधिकारियों के तबादले हुए थे। डॉ. एसपी सिंह के स्थान पर मोनिका गौतम को तैनात किया गया था। हालांकि, दिसंबर में मोनिका गौतम ने शादी के कारण दिसम्बर माह से 17 जनवरी तक का सार्वजनिक अवकाश लिया। इसके बाद अमरोहा श्रम प्रवर्तन विभाग का अतिरिक्त प्रभार मुरादाबाद के श्रम प्रवर्तन अधिकारी दुष्यंत को सौंपा गया, लेकिन दुष्यंत अमरोहा में लगभग नदारद ही रहते हैं। आज जब समाचार पत्र के संवाददाता रोहित कुमार विभागीय कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें अधिकारी की कुर्सी खाली मिली। लाभार्थी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। अटल आवासीय विद्यालय योजना जैसी महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब परिवारों तक कैसे पहुंचेगा, जब विभाग के अधिकारी ही कार्यालय से गायब रहते हैं? उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के अधिकारियों को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जन समस्याएं सुनने के सख्त निर्देश दिए हैं। लेकिन अमरोहा श्रम प्रवर्तन विभाग में अधिकारी दुष्यंत पर इन आदेशों का कोई असर नजर नहीं आ रहा। हालांकि जब जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने रहेंगे, तो गरीबों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा? विभाग की इस लापरवाही से सरकारी योजनाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि आगे देखते हैं क्या लापरवाह अधिकारियों पर प्रशासन कार्रवाई कर पाएगा, या अधिकारी यूं ही अपनी मनमानी करते रहेंगे।

गजरौला में युवक को स्टंट बाजी पड़ी महंगी, पुलिस ने कार को एमवी एक्ट में किया सीज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत थार गाडी से स्टंट करने से संबंधित सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों का त्वरित संज्ञान लेते हुए थाना गजरौला व यातायात पुलिस अमरोहा द्वारा कार्यवाही करते हुए थार कार को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया। बता दें कि सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर जिसमें चालक द्वारा थार गाड़ी से खतरनाक स्टंट किया जा रहा था थाना गजरौला व यातायात पुलिस अमरोहा द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए थार गाडी रजि0 नं0-UP25DX4966 को एमवी एक्ट के अन्तर्गत सीज किया गया तथा चालक साहिबे आलम पुत्र खैराती निवासी छंगा दरवाजा थाना अमरोहा नगर जनपद अमरोहा ने अपनी गलती स्वीकार की तथा भविष्य में इस प्रकार का कृत्य न करने की माफी मांगी। पुलिस द्वारा उसे कड़ी चेतावनी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति होने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई।इसके अलावा यातायात पुलिस अमरोहा एवं गजरौला पुलिस ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि 'स्टंट न करें व यातायात नियमो का पालन करें'।

डीएम-एसपी ने मकर संक्रांति के पावन स्नान पर्व के दृष्टिगत तिगरी गंगा घाट का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने 14 जनवरी को होने वाले मकर संक्रांति के पावन स्नान पर्व के दृष्टिगत तिगरी गंगा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों पर बैरिकेडिंग, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ समुचित प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम और अलाव की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बाढ़ खंड के अधिकारियों को घाट पर बल्लियाँ और जाली लगाने के निर्देश दिए। निर्देश दिए कि आने वाले श्रद्धालुओं की किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एंबुलेंस और मेडिकल टीम की उपलब्धता के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया सहित संबंधित उपस्थित रहे।

धनौरा क्षेत्र में जल निगम के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

पानी की टंकी निष्क्रिय होने के कारण स्वच्छ पानी को तरसे ग्रामीण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) काविंद्र सिंहः- जनपद के धनौरा विकासखंड की ग्राम पंचायत धनौरी खुर्द में लाखों की लागत से निर्मित पानी की टंकी निष्क्रिय है। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति न होने से परेशान ग्रामीणों ने रविवार को जल निगम और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह गांव ब्लॉक मुख्यालय से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है।ग्रामीणों का आरोप है कि गांव का भूगर्भीय जल प्रदूषित है। शुद्ध पानी की व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीण हैंडपंपों का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इसके चलते गांव में हेपेटाइटिस-सी जैसी गंभीर बीमारी फैल रही है, जिससे कई परिवार प्रभावित हुए हैं।प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण युवराज सिंह, रोहित दहिया और बेगराम सैनी ने अपनी समस्या बताई। उन्होंने कहा कि पानी की टंकी का निर्माण स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन विभाग की निष्क्रियता के कारण इसे चालू नहीं किया गया है।ग्रामीणों ने कहा, "एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का नारा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं और बीमार पड़ रहे हैं। यदि जल्द ही पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई, तो ग्रामीण बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ब्लॉक मुख्यालय के करीब होने के बावजूद अधिकारी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि स्वास्थ्य विभाग गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर बीमारों की जांच करे और जल निगम तत्काल पाइपलाइन की टेस्टिंग कर घरों तक पानी पहुंचाना सुनिश्चित करे।इस संबंध में धनौरा के खंड विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह पाल ने बताया कि ग्राम पंचायत में टंकी के निर्माण का ठेका जिला स्तर से हुआ है और उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।इस प्रदर्शन में युवराज सिंह, रोहित दहिया, बेगराम सैनी, सोनू दहिया, धर्मपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में अन्य ग्रामीण शामिल थे।

टिपलर में घुसी बाइक एक की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे टिपलर में जा घुसी। जिसमें बाइक सवार एक किशोर की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में दोनों किशोरों को 108 एंबुलेंस की मदद से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया एवं दूसरे को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। किशोर की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। बता दें कि घटना का ये पूरा मामला गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र की खाद गुर्जर रोड स्थित कुंदन सिंह डिग्री कॉलेज के निकट का है जहां पर बाइक सवार दो किशोरों की बाईक उनके आगे चल रहे टिपलर में जा घुसी, जिससे दोनों बाइक सवार किशोर नीचे गिर गए और दोनों को गंभीर चोटें आई। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई ,घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दोनों किशोरों को 108 एंबुलेंस की मदद से गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने एक किशोर को मृत घोषित कर दिया और दूसरे को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेज दिया। इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक किशोर का नाम रंजीत पुत्र राजेंद्र निवासी काशीपुर एवं घायल का नाम लविक पुत्र चंद्रभान सिंह निवासी गांव छज्जुपुरा थाना बछरायूं जनपद अमरोहा बताया गया। इसके अलावा बताया गया कि मृतक रंजीत गांव छज्जूपुरा में अपनी मौसी किरण के यहां पर रह रहा था और यहीं रहकर वह पढ़ाई भी कर रहा था। बताया गया कि लाविक और रंजीत अपनी नानी को गांव बैरमपुर छोड़ने के लिए गए थे वहां से वापस आते हुए इनके साथ यह हादसा हुआ है। फिलहाल दोनों किशोरो के परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गये। मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

राज्यमंत्री केपी मलिक ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के संबध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक जनपद भ्रमण के दौरान सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीयो ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यमंत्री के0पी0 मालिक ने कलेक्ट्रेट में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक की। इस दौरान उन्होंने जनपद के विकास को गति देते हुए जनपद को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की। बैठक में राज्यमंत्री ने जिले में चल रही विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़े प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता एवं तत्परता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता सरकार की प्राथमिकता है, इसका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। बैठक में विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने हसनपुर में गंगा नदी के किनारे स्थित बंधे की सड़क के शेष मरम्मत कार्य को पूर्ण कराने की बात कही जिस पर मंत्री द्वारा अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग को मुख्यालय स्तर पर प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री केपी मलिक ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं प्रभाव शीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति दी जाए, ताकि योजनाओं का लाभ आमजन तक समयबद्ध ढंग से पहुँच सके।

सरकार की प्राथमिकता जनता के हित से जुड़े कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा के भीतर पूरा कराना है। इस अवसर पर शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह उपस्थित रहे।

जिले में 68 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी यूपी बोर्ड परीक्षा

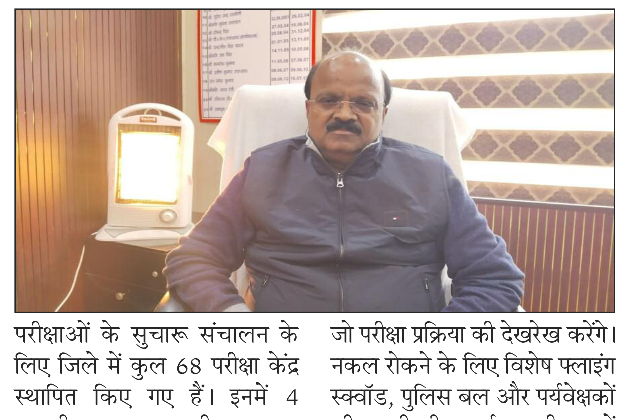

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं 2026 के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक और सख्त इंतजाम किए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार ने बताया कि परीक्षाओं को पूरी तरह शांतिपूर्ण, नकल-विहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जा रही हैं। UP बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से शुरू होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी। इस दौरान अमरोहा जिले में हाईस्कूल की परीक्षा में 26,583 तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा में 24,694 छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे। कुल मिलाकर जिले से लगभग 51,000 से अधिक परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे। परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए जिले में कुल 68 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 4 राजकीय, 28 असाशकीय तथा 36 वित्त विहीन कॉलेज शामिल हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की लगातार निगरानी रहेगी, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल अंकुश लगाया जा सके। इसके अलावा, प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी, जो परीक्षा प्रक्रिया की देखरेख करेंगे। नकल रोकने के लिए विशेष फ्लाइंग स्क्वॉड, पुलिस बल और पर्यवेक्षकों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे समय से पहले अपने परीक्षा केंद्र पहुंचें और सभी नियमों का पालन करें। जिला प्रशासन का प्रयास है कि परीक्षाएं निष्पक्ष और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हों, ताकि छात्रों का भविष्य उज्ज्वल बन सके।

बहजोई महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

महाविद्यालय परिसर में एक विचार गोष्ठी का भी किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- महाविद्यालय, बहजोई में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता और महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद

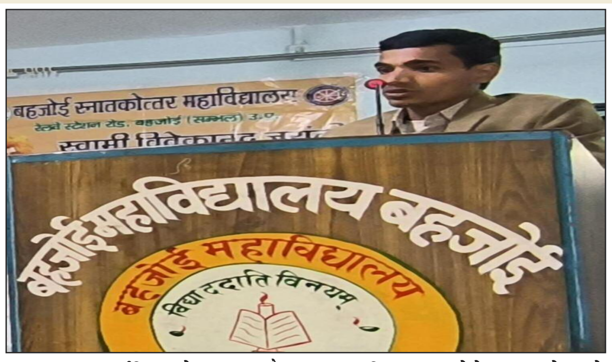

एक महान दार्शनिक, देशभक्त और ज्ञानी महापुरुष थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा और युवाओं के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा भाव से जीवन जीने की प्रेरणा दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद के संघर्षपूर्ण जीवन, अनुशासन, संयम और उनके विश्व प्रसिद्ध शिकागो संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी पूरा विश्व उनके उस ऐतिहासिक भाषण को याद करता है। प्राचार्य ने स्वामीजी के जीवन की प्रमुख घटनाओं और शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे उनके विचारों को अपने दैनिक जीवन में उतारें, जिससे वे न केवल व्यक्तिगत रूप से सफल हों बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान दे सकें। विचार गोष्ठी में महाविद्यालय के कई शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें संजय कुमार, गौरव वार्ष्णेय, डॉ. विष्णुदत्त, गीता रानी, नेमपाल सिंह, रामतीरथ, यशपाल सिंह, प्रीति शर्मा, पूजा शर्मा, भगवान सिंह चौहान, भुवनेश कुमार, राजीव कुमार आदि शामिल थे। साथ ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुईं और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जगाने में सफल रहा। महाविद्यालय परिवार ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने का आह्वान किया।

आवारा कुत्तों के झुंड ने ली मासूम की जान, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

हजरतनगर/संभल (सब का सपना):- जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के गांव पोटा में रहने वाले विनोद उर्फ बंटी गौतम की 9 वर्षीय बेटी रिया गौतम की आवारा कुत्तों के झुंड ने जान लेली। रिया कक्षा 3 की छात्रा थी और गांव के सरकारी प्राथमिक स्कूल में पढ़ती थी। रविवार शाम वह अपनी मां और दादी के साथ खेत में पशुओं के लिए चारा लेने गई थी। मां और दादी चारा इकट्ठा करने में लगी हुई थीं, जबकि रिया थोड़ा पीछे रह गई और इधर-उधर घूमने लगी। इसी दौरान श्मशान घाट के पास पहले से मौजूद कुछ आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे अकेला पाकर हमला बोल दिया। हमला इतना भयानक था कि कुत्तों ने बच्ची

को चारों ओर से नोच-नोचकर जख्मी कर दिया। उन्होंने उसका बायां हाथ कंधे से अलग कर दिया और उसे मुंह में लेकर भाग गए। बच्ची के चेहरे, पैरों और पूरे शरीर पर गहरे घाव थे। रिया की चीखें सुनकर मां-दादी और आसपास के ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों ने किसी तरह कुत्तों को भगाया और घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हजरतनगर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। यह घटना आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को एक बार फिर उजागर करती है, जहां निर्दोष मासूम बच्चे इसका शिकार हो रहे हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बीमा फ्रॉड गिरोह का पदार्फाश, करोड़ों की संपत्ति कुर्क

संभल(सब का सपना):- जनपद में बड़े संगठित अपराधी गिरोह का पदार्फाश हुआ है, जो मरणासन्न और मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी बीमा पॉलिसियां बनवाकर क्लेम की राशि हड़प लेता था। इस गिरोह के तीन मुख्य सदस्यों द्वारा अपराध से अर्जित कुल 11 करोड़ 89 लाख 51 हजार रुपये की अवैध संपत्ति जब्त (कुर्क) की गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर ठगी विरोधी विशेष अभियान के तहत संभल पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में बहजोई थाना पुलिस ने गिरोह का खुलासा किया था। यह गिरोह 12 से अधिक राज्यों में सक्रिय था और इससे जुड़े घोटाले

की कुल राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। जांच में संभल, मुरादाबाद, बरेली, अमरोहा आदि जिलों में 25 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए, जिसमें 70 से अधिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जांच के दौरान कई हत्याओं का भी खुलासा हुआ, जो बीमा राशि हासिल करने के इरादे से की गई थीं। गिरोह में आशा कर्मी, जांच एजेंसियां, बीमा कंपनी कर्मचारी और बैंक कर्मचारी भी शामिल थे, जो फर्जी दस्तावेज बनवाने और क्लेम पास कराने में मदद करते थे। गिरोह के 25 अभियुक्तों के खिलाफ थाना रजपुरा में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था आरोपियों में से तीन प्रमुख सदस्यों–सचिन शर्मा (9 करोड़ 18 लाख 72 हजार रुपये), गौरव शर्मा (1 करोड़ 44 लाख 2 हजार रुपये) और ओंकारेश्वर मिश्रा उर्फ करन (1 करोड़ 26 लाख 77 हजार रुपये)– की अवैध संपत्ति का पता चला। जिला मजिस्ट्रेट संभल के आदेश दिनांक 07 जनवरी 2026 के तहत इन संपत्तियों को राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क करने का फैसला हुआ और रिसीवर (तहसील गुन्नौर/वाराणसी) नियुक्त किए गए। वर्तमान में संभल, बदायूं, वाराणसी और गौतमबुद्धनगर जिलों में पुलिस द्वारा कुर्की की कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई अपराधियों की संपत्ति जब्त कर अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध बीमा प्रस्ताव पर जांच करने की अपील की है।

प्रकाशन के भविष्य पर गहन मंथन, बी2बी फोरम सीईओ स्पीक के 13वें संस्करण का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), भारत द्वारा आयोजित प्रमुख बी2बी फोरम सीईओ स्पीक का 13वां संस्करण आज होटल अशोक में संपन्न हुआ। इस उच्च-स्तरीय मंच पर भारतीय और वैश्विक प्रकाशन जगत के दिग्गजों ने ह्यप्रकाशन के भविष्य को समझनाह्नविषय पर गहन विचार-विमर्श किया। यह फोरम प्रकाशन उद्योग में संवाद, सहयोग और रणनीतिक योजना के लिए जाना जाता है, जिसमें एआई, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास जैसे मुद्दों पर फोकस रहा। उद्घाटन सत्र में एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने प्रकाशन क्षेत्र की ताकत पर प्रकाश डाला, जहां 12 लाख से अधिक रोजगार, 9,000 प्रकाशक और 21,000 खुदरा विक्रेता शामिल हैं। उन्होंने एआई,

संवर्धित वास्तविकता (एआर) और मशीन लर्निंग के संपादकीय, उत्पादन तथा वितरण में परिवर्तनकारी प्रभावों की चर्चा की। शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री आनंदराव वी. पाटिल ने नीति-निमार्ताओं और प्रकाशकों के बीच संवाद की जरूरत बताई, साथ ही नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, दीक्षा और ई-पाठशाला जैसी पहलों का जिक्र किया।इस अवसर पर अतिथि देश कतर और फोकस देश स्पेन के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। सुश्री अस्मा अल-कुवरी (कतर) ने बाल साहित्य और अंतरराष्ट्रीय वितरण की चुनौतियों पर बात की, जबकि श्री जोसे मैनुअल अंता (स्पेन) ने अपने देश के 3,000 प्रकाशकों, 60,000 मुद्रित और 27,000 डिजिटल पुस्तकों के मजबूत ढांचे की जानकारी दी। स्पेन की अनुवाद अनुदान व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रसार पर भी जोर दिया गया।दूसरे सत्र में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पैनल ने डिजिटल रूपांतरण, जिम्मेदार एआई उपयोग, अनुवाद की भूमिका, प्रिंट-ऑन-डिमांड, क्षेत्रीय बाजारों की मजबूती और कॉपीराइट संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की। एनबीटी निदेशक युवराज मलिक ने भारत के 12 अरब डॉलर के प्रकाशन उद्योग (68% शिक्षा-केंद्रित, 45% क्षेत्रीय भाषाओं पर आधारित) का उल्लेख करते हुए अनुवाद अनुदान और थ्री टीजह्न (अनुवाद करें, रूपांतरित करें, स्थानांतरित करें) कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताया। समग्र रूप से, सीईओ स्पीक 2026 ने प्रकाशन को सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, शिक्षा और आर्थिक विकास का मजबूत स्तंभ साबित किया। यह फोरम वैश्विक स्तर पर पठन संस्कृति को आकार देने और परिवर्तन के दौर में उद्योग को मार्गदर्शन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भीख मांगने वाले बच्चे अब गणतंत्र दिवस परेड में दिखाएंगे अनुशासन और आत्मविश्वास

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सोमवार को जिलाधिकारी ने उम्मीद संस्था द्वारा संचालित भीख से सीख की ओर कार्यक्रम से जुड़े बच्चों से आत्मीय भेंट की। ये बच्चे कभी सड़कों पर भीख मांगकर जीवन यापन करते थे, लेकिन संस्था ने उन्हें शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का सराहनीय कार्य किया है। संस्था की कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रैना शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम से जुड़े बच्चे आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन, लखनऊ में आयोजित भव्य परेड में भाग लेने के लिए चयनित हो गए हैं। यह इस पहल की

सफलता और सामाजिक बदलाव का जीता-जागता प्रमाण है। ये बच्चे पिछले डेढ़ महीने से पुलिस लाइन में कड़ी मेहनत से परेड का अभ्यास कर रहे हैं और कल ही लखनऊ के लिए रवाना होंगे। जिलाधिकारी ने बच्चों से गहन संवाद किया, उनकी दिनचर्या, प्रशिक्षण और तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के आत्मविश्वास, अनुशासन और परिश्रम की खुलकर सराहना की। इस मौके पर बच्चों के चेहरों पर विशेष उत्साह, गर्व और आत्मविश्वास की भावना साफ झलक रही थी। जिलाधिकारी का यह प्रेरणादायक संवाद बच्चों के लिए बेहद उत्साहवर्धक साबित हुआ। इस अवसर पर उम्मीद संस्था से गौरव, गिहार बस्ती से विपिन, समीर और भरत मौजूद रहे। भीख से सीख की ओर कार्यक्रम समाज के वंचित बच्चों को शिक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन की ओर ले जाने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। यह न केवल बच्चों के जीवन में बदलाव ला रहा है, बल्कि पूरे समाज को संदेश दे रहा है कि सही मार्गदर्शन और प्रयास से कोई भी सपना साकार हो सकता है।

विजेंद्र गुप्ता ने सदन की कार्यवाही के वीडियो क्लिप पर किया बड़ा दावा, आतिशी पर जमकर बोला हमला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर सदन की कार्यवाही के वीडियो क्लिप पर बड़ा दावा किया। उन्होंने विवादित हिस्सा दिखाते हुए कहा कि 6 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने गुरुओं के सम्मान को लेकर अपशब्द कहे, जिसमें 'गुरुओं का सम्मान करो, कुत्तों का सम्मान करो' जैसे शब्द शामिल थे। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वीडियो में कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और 7 जनवरी को जांच के बाद यह अपशब्द सिद्ध हुए। उन्होंने आतिशी पर आरोप लगाया कि जानबूझकर यह कृत्य किया गया, क्योंकि उन्होंने सदन छोड़ दिया और बाद में स्पष्टीकरण के लिए

बार-बार बुलाने पर भी सदन में नहीं आईं। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आतिशी एक तरफ गुरुओं का अपमान कर रही हैं और दूसरी तरफ सदन में अनुपस्थित रहकर स्थिति स्पष्ट नहीं कर रही हैं। उन्होंने शीतकालीन सत्र की अन्य कार्यवाही की भी जानकारी दी और बताया कि मामला गंभीर होने के कारण आगे की कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। इस बीच, पंजाब के जालंधर में दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ इस वीडियो क्लिप से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज होने पर दिल्ली विधानसभा ने सख्त रुख अपनाया। विधानसभा ने जालंधर पुलिस सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था कि सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग के आधार पर प्राथमिकी किस आधार पर दर्ज की गई। 48 घंटे की समयसीमा बीत जाने के बाद भी पंजाब पुलिस की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस पर आगे की कार्यवाही का फैसला जल्द लिया जाएगा, क्योंकि यह विधानसभा के विशेषाधिकार का उल्लंघन है और सदन की गरिमा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

फर्जी संचालन और अव्यवस्था, सीएससी सेंटरों पर गिरी गाज

बिजनौर (सब का सपना):- नियमों का पालन न करने वाले कॉमन सर्विस सेंटरों (सीएससी) के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में अनियमितताएं पाए जाने के बाद करीब 200 सीएससी सेंटरों की आईडी ब्लॉक कर दी गई है। इस कार्रवाई से जिलेभर के सेंटर संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। जिला प्रबंधक सीएससी ई-गवर्नेंस इंडिया लिमिटेड महेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन की मंशा है कि आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ तय दरों पर आसानी से मिल सके। इसी उद्देश्य से सीएससी सेंटरों को अनुमति दी जाती है, लेकिन कई संचालकों ने नियमों की अनदेखी की। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलेभर के सीएससी सेंटरों की फिजिकल वेरिफिकेशन कराई गई। जांच में सामने आया कि कई सेंटर बिना स्थायी दुकान या कार्यालय के संचालित हो रहे थे। कई स्थानों पर न तो निर्धारित कॉमन ब्रांडिंग लगी थी और न ही सेवाओं का रेट चार्ट प्रदर्शित किया गया था। रेट चार्ट न होने के कारण कुछ संचालक शासन द्वारा तय दरों से अधिक शुल्क वसूल रहे थे। इसके अलावा कुछ सेंटर ऐसे भी पाए गए जो सिर्फ कागजों में ही चल रहे थे।

विभागीय अधिकारियों ने सभी सेंटर संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। नियमों के अनुपालन के बाद ही ब्लॉक की गई आईडी को बहाल करने पर विचार किया जाएगा।

दिल्ली चिड़ियाघर में लापरवाही की हद! चूहे मारने के जहर से हुई थी चौसिंगा हिरणों की मौत; आईवीआरआई रिपोर्ट में पुष्टि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में चौसिंगा हिरणों की मौत के पीछे अब गंभीर लापरवाही सामने आई हैं। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) की विषविज्ञान (टाक्सिकोलॉजी) रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि दोनों चौसिंगा की मौत चूहे मारने वाले जहर के संपर्क में आने से हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, मृत चौसिंगा के रूमेन और आंतों के नमूनों में फास्फीन गैस की मौजूदगी पाई गई है। यह गैस आमतौर पर एल्यूमिनियम फास्फाइड या जिंक फास्फाइड जैसे रोडेंटिसाइड से निकलती है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि फास्फीन की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि जानवर

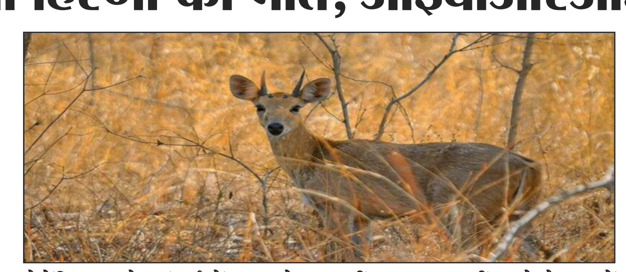

रोडेंटिसाइड के संपर्क में आए थे। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जांच के दौरान हाइड्रोजन साइनाइड, नाइट्रेट-नाइट्राइट, भारी धातुओं और अन्य सामान्य कीटनाशकों के कोई सुबूत नहीं मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच के दौरान नमूनों में हाइड्रोजन साइनाइड, नाइट्रेट-नाइट्राइट, भारी धातुएं और अन्य सामान्य कीटनाशक नहीं पाए गए। वहीं, चारे के नमूनों की जांच में किसी भी प्रकार के कीटनाशक की पुष्टि नहीं हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, मेटल फास्फाइड आधारित चूहा मार जहर नमी या पेट के अम्ल के संपर्क में आते ही फास्फीन गैस छोड़ते हैं, जो बेहद विषैली होती है और कुछ ही समय में जानवरों की जान ले सकती है। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआती पोस्टमार्टम में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई थी, लेकिन अब रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि मौत अचानक और जहर के असर से हुई। चिड़ियाघर के एक आंतरिक दस्तावेज में भी सामने आया है कि दो दिसंबर को परिसर में चूहों के नियंत्रण के लिए एल्यूमिनियम फास्फाइड (56 प्रतिशत) और जिंक फास्फाइड (80 प्रतिशत) का इस्तेमाल किया गया था। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि टैबलेट के रूप में रोडेंटिसाइड का उपयोग हुआ था और संभव है कि जानवरों ने इन्हें खा लिया हो। उल्लेखनीय है कि 11 और 12 दिसंबर को दोनों चौसिंगा मृत पाए गए थे

नाबालिग बच्ची के साथ हुए बलात्कार मामले में प्रजापति समाज सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले में नाबालिग बच्ची के साथ हुए बलात्कार मामले में प्रजापति समाज सेवा समिति ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सक्रिय कदम उठाया है। समिति ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी संभल को सौंपा है, जिसमें उच्च स्तरीय जांच और परिवार की सुरक्षा की मांग की गई है। जनपद संभल के थाना राय सती क्षेत्र अंतर्गत एक 10 वर्षीय बच्ची मोहल्ले में खेल रही थी। इसी गांव के निवासी अनु उर्फ अनुराग त्यागी ने उसका अपहरण कर अपने घर में ले जाकर मुंह पर कपड़ा बांधकर जबरन बलात्कार किया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई और न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि

राजनीतिक दबाव के कारण बच्ची का मेडिकल परीक्षण गलत तरीके से कराया गया। साथ ही, त्यागी परिवार की ओर से लगातार धमकियां मिल रही हैं। आरोप है कि अनु उर्फ अनुराग त्यागी को ट्रायल कोर्ट ने मात्र 52 दिनों में दोषमुक्त कर दिया, जिससे परिवार में रोष व्याप्त है। प्रजापति समाज सेवा समिति ने पीड़ित परिवार के साथ मिलकर इस मामले को गंभीरता से उठाया। समिति ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में - इस संगीन अपराध की उच्च स्तरीय सीबीआई जांच कराई जाए और पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय दिलाया जाए। त्यागी परिवार द्वारा धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए मांग की गई हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रजापति समाज सेवा समिति के जिला अध्यक्ष तरुण कुमार प्रजापति, जिला महासचिव ओम प्रकाश प्रजापति, जितेंद्र कुमार प्रजापति, सीमा आर्य प्रजापति, रमेश चंद्र प्रजापति, दिनेश चंद्र प्रजापति, सियाराम प्रजापति, चंद्रेश प्रजापति, पवन कुमार प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

शुगर मिल अफजलगढ़ ने 15 करोड़ 12 लाख 39 हजार रुपये का किया भुगतान

अफजलगढ़/बिजनौर(सब का सपना):- द्वारिकेश शुगर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई बहादरपुर ने पेराई सत्र 2025-26 में 5 जनवरी 2026 तक खरीदे गये गन्ना का 15 करोड़ 12 लाख 39 हजार रुपये का भुगतान किया। द्वारिकेश चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक उमेश सिंह बिसेन ने बताया कि बहादरपुर इकाई ने सत्र 2025-26 में एसपी की दर से दिनांक 30 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक खरीदे गये गन्ने का गन्ना मूल्य 15 करोड़ 12 लाख 39 हजार रुपये का भुगतान सम्बन्धित गन्ना समितियों में भेज दिया। मुख्य महाप्रबंधक उमेश सिंह बिसेन ने किसानो से अनुरोध किया कि अपना गन्ना मूल्य भुगतान प्राप्त करें एवं चीनी मिल द्वारा सत्यापित नर्सरी प्लाटों से ही बीज प्राप्त कर गन्ने की बुआई करें। किसी भी दशा में रोगग्राही गन्ना प्रजाति को 0238 एवं अज्ञात गन्ना प्रजातियों की बुआई बिल्कुल न करें।

जो भी किसान पेड़ी फसल की द्वितीय पेड़ी अथवा किन्हीं कारणों से यदि पौधे गन्ने की कटाई दिसम्बर एवं जनवरी माह में करनी पड़े तो उपरोक्त रसायनों का प्रयोग काटे हुए गन्ने के जड़ों के पास अवश्य करें। तथा चीनी मिल को साफ-सुथरा, अगोला पत्ती एवं मिट्टी रहित गन्ना आपूर्ति करें।

अधिवक्ता संघ झालू ने बलवंत सिंह को दिया पूर्ण समर्थन

मैं हर अधिवक्ता के साथ हर सुख दुःख में खड़ा रहूंगा : बाबू बलवंत सिंह

झालू/बिजनौर (सब का सपना):- अधिवक्ता संघ ने बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव में सदस्य पद पर प्रत्याशी बाबू बलवंत सिंह एडवोकेट को पूर्ण समर्थन देते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि हर अधिवक्ता तन, मन, धन से उनके साथ है हृदयानंद इंटर कॉलेज झालू के सभागार में आयोजित अधिवक्ता संघ झालू के शपथ ग्रहण समारोह तथा बाबू बलवंत सिंह के सम्मान समारोह में अधिवक्ताओं ने बाबू बलवंत सिंह को प्रथम वरीयता का मत देने का आह्वान करते हुए कहा कि संघ पूरी तरह बाबू बलवंत सिंह के साथ है ' अधिवक्ताओं ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि वे अन्य अधिवक्ताओं को भी उन्हें प्रथम वरीयता का मत देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं ' अधिवक्ताओं ने कहा कि बाबू बलवंत सिंह हमेशा

अधिवक्ताओं के हितों के लिए संघर्षरत रहे हैं तथा इस बार भी वे निश्चित रूप से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगे ' समारोह के विशिष्ट अतिथि जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष यशपाल सिंह एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुनेश कुमार चाहल एडवोकेट व कोषाध्यक्ष अंबिका सिंह राणा एडवोकेट ने भी बाबू बलवंत सिंह को बिजनौर का गौरव बताते हुए अधिवक्ताओं से उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की समारोह के मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन व वर्तमान सदस्य पद के प्रत्याशी बाबू बलवंत सिंह ने कहा कि मैं हमेशा अधिवक्ताओं के हितों के लिए संघर्षरत रहा हूं और उनके हितों के लिए कार्य करता रहा हूं और हमेशा करता रहूंगा ' जब भी किसी अधिवक्ता साथी को मेरी जरूरत पड़ेगी, मैं उनके साथ हर सुख दुःख में हर समय खड़ा रहूंगा समारोह में बाबू बलवंत सिंह ने झालू अधिवक्ता संघ झालू की नई कार्यकारिणी में करतार सिंह एडवोकेट को अध्यक्ष पद, इसरार अहमद एडवोकेट को उपाध्यक्ष पद, फहीम अहमद एडवोकेट को सचिव पद, हितेश अग्रवाल एडवोकेट को कोषाध्यक्ष पद तथा अनिल चौधरी एडवोकेट को मीडिया प्रभारी पद की शपथ दिलाई वरिष्ठ अधिवक्ता साजन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता तथा अनिल चौधरी एडवोकेट के संचालन में आयोजित समारोह में संघ की ओर से बाबू बलवंत सिंह व जिला बार असोसिएशन के अध्यक्ष यशपाल सिंह एडवोकेट को सम्मान चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया समारोह को संघ के अध्यक्ष करतार सिंह, उपाध्यक्ष इसरार अहमद, सचिव फईम अहमद, राजीव सिंह, यशपाल सिंह, अनिल चौधरी, नवनीत चौधरी, राहुल काकरान,हितेश अग्रवाल, नरपाल सिंह मलिक, उमंग काकरान, शिवम अग्रवाल, यशपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, मनोज कुमार शेट्टी, मो. फैज अहमद, अभिषेक अग्रवाल, सोनू राणा, उमंग काकरान, सुमित चौधरी, मो. शादाब, मो. आदिल आदि अधिवक्ताओं ने संबोधित किया ' इस अवसर पर विनोद तोमर , कोमेंद्र सिंह , नरेंद्र सिंह, ह्रदयानन्द कॉलेज समिति के अध्यक्ष अनन्त चौधरी, मोहित चौधरी, मो. साजिद, निर्पेंद्र सिंह, यासिर हुसैन, मो. सैफ अंसारी, मो. सलमान, मो. जीशान मो. रिहान, मो. अर्सलान, मो. साकिब मो. अब्बास, बाबू सतेंद्र सिंह, आकाश कुमार आदि अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे '

पारदर्शी और त्रुटिरहित जनगणना पर प्रशासन का जोर

बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना 2027 को सफल, सुचारु और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनगणना प्रभारी जिला बिजनौर जयप्रकाश यादव ने की। बैठक में जनगणना की तैयारियों, कार्ययोजना और प्रशासनिक स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जनगणना प्रभारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी और सटीक तरीके से किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर जनगणना सेल की स्थापना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। साथ ही तहसील स्तर पर अलग-अलग टीमों का गठन किया जाए, जिनमें एक टेक्निकल सदस्य को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि डाटा फीडिंग और

तकनीकी कार्यों में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए और सही व पूर्ण जानकारी का संकलन किया जाए। डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग को भी जनगणना प्रक्रिया का अहम हिस्सा बताया गया। जनगणना प्रभारी ने अधिकारियों को अपने-अपने जनगणना रजिस्टर नियमित रूप से मेंटेन करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जनगणना 2027 से जुड़ी मानव संसाधन की उपलब्धता, प्रशिक्षण व्यवस्था, तकनीकी सहयोग और फील्ड स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई।

साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जनगणना से संबंधित किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाए और अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनगणना 2027 को सफल बनाना सुनिश्चित करें।

वाहन चेकिंग में चोरी की मोटरसाइकिल समेत दो आरोपी गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना देहात क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई रविवार को उस समय हुई, जब पुलिस टीम नियमित चेकिंग अभियान के तहत संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई, तो दोनों के पास से एक-एक नाजायज चाकू बरामद हुआ।पुलिस ने जब मोटरसाइकिल के बारे में ई-चालान ऐप के माध्यम से जानकारी जुटाई तो वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर वढ18श1525 सामने आया, जो स्पलेंडर प्लस मोटरसाइकिल का था।

वाहन स्वामी मुनेश निवासी दकिया गुलाबो, थाना काशीपुर, जनपद उधमसिंह नगर से फोन पर संपर्क किया गया, जिन्होंने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल 5 जनवरी 2026 को काशीपुर रेलवे स्टेशन से चोरी हो गई थी, जिसके संबंध में थाना काशीपुर पर पहले ही मामला दर्ज कराया जा चुका है। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेते हुए थाना देहात पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान हिमांशु पुत्र राजकुमार और राहुल सनवाल पुत्र भूपेन्द्र सनवाल निवासी लखनपुर कस्बा रामनगर, थाना काशीपुर, जनपद उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और दो नाजायज चाकू बरामद कर लिए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है और पूर्व में उनके खिलाफ चोरी और अवैध हथियार रखने के मामलों में मुकदमे दर्ज रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है और जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए इस तरह के चेकिंग अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु कुमार, कांस्टेबल आशीष धामा, विनय और ईशान शामिल रहे।

हल्दौर क्षेत्र में फिर हुआ बड़ा सड़क हादसा

बाइक सवार मां-बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर क्षेत्र में सोमवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। गांव बिलाई के समीप चीनी मिल रोड पर पीछे से जा रही बाइक के ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस जाने से बाइक सवार मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, थाना नहटौर क्षेत्र के गांव रुखड़ियों निवासी शिवम उर्फ प्रशांत कुमार (18) अपनी मां बीना देवी (41) के साथ बाइक से कहीं से लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गांव बिलाई स्थित

चीनी मिल से मैली भरकर नहटौर की ओर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में उनकी बाइक पीछे से जा टकराई। सड़क पर रोशनी की कमी और ट्रॉली में रिफ्लेक्टर न होने की बात भी स्थानीय लोगों द्वारा बताई जा रही है। टक्कर के बाद शिवम और उसकी मां बीना देवी सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें आने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मां-बेटे की एक साथ हुई मौत से गांव रुखड़ियों और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा और ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, इंजन व नकदी बरामद

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला रविवार का है, जब ग्राम हमीदपुर माखन निवासी मुनीश कुमार ने थाना में तहरीर देकर बताया था कि उसकी स्पेलेंडर प्रो मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।जांच के क्रम में सोमवार को पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान हनी उर्फ मुदस्सिर निवासी

मुनीरगंज और प्रवेज निवासी मोहल्ला मुगलूशाह, के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल का इंजन और 2250 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस पूछताछ में हनी उर्फ मुदस्सिर ने स्वीकार किया कि उसने भांग के नशे में चीनी मिल परिसर में खड़ी मोटरसाइकिल को पुरानी चाबी की मदद से खोलकर चोरी किया था आरोपी ने बताया कि नशे के लिए पैसे की जरूरत होने के चलते उसने उसी दिन शाम को मोटरसाइकिल को कबाड़ी प्रवेज को 5500 रुपये में बेच दिया। बाद में कुछ रकम खर्च हो गई, जबकि शेष राशि पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान बरामद कर ली। बरामदगी में एक प्लास्टिक के बोरे में रखा मोटरसाइकिल का इंजन और नकदी शामिल है। पुलिस के अनुसार बरामदगी के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ में स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रकाश वीर आर्य द्वारा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया गया। वही प्रधानाचार्य प्रकाश वीर आर्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की सहिष्णुता, सार्वभौमिकता एवं विश्व बंधुत्व का संदेश संपूर्ण विश्व को दिया। उनकी ओजस्वी वाणी और विचारों से प्रभावित होकर तत्कालीन अमेरिकी समाचार पत्रों ने उन्हें उस सम्मेलन

का सर्वश्रेष्ठ वक्ता बताया, जिससे भारत की प्रतिष्ठा विश्व मंच पर और अधिक सुदृढ़ हुई। इस अवसर पर आनंद भूषण यादव ने स्वामी विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाए जाने के उद्देश्य और युवाओं के जीवन में इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं ओमकार सिंह ने स्वामी विवेकानंद के जीवनवृत्त, उनके प्रमुख कार्यों तथा उनके द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन एवं रामकृष्ण मठ के योगदान पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बताया कि ये संस्थान आज भी उनके विचारों के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में मानवी चौहान, कार्तिक ,शिवांशी, सारिका सहित अन्य भैया-बहनों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग एवं उनकी शिक्षाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे छात्र-छात्राएं प्रेरित हुए। युवा दिवस के अवसर पर विद्यालय में स्वदेशी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के प्रति जागरूकता और भावनात्मक जुड़ाव विकसित करने का प्रयास किया गया। साथ ही कबड्डी, खो-खो, रस्सीकूद और नेता की खोज जैसे स्वदेशी खेलों का भी आयोजन हुआ,जिसमें विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार वत्सल के साथ-साथ राजीव कुमार गुप्ता, अनिल कुमार,शौकेन्द्र कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक एवं स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही।

एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अपराध की रोकथाम और अवैध शस्त्रों के निर्माण, बिक्री, परिवहन व धारण करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम

वीरोपुर निवासी गौरव उर्फ गब्बर को संदिग्ध अवस्था में रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ, जिसके बाद उसे मौके से हिरासत में ले लिया गया। इस संबंध में थाना चांदपुर पर मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और पूर्व में उसके खिलाफ अलग-अलग धाराओं में कई मुकदमे दर्ज रह चुके हैं।

ठंड के बीच छात्रों ने दी प्री-बोर्ड परीक्षा, बोर्ड पैटर्न पर हुई प्री-बोर्ड परीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा नगर के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्री-बोर्ड परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गईं। परीक्षा शुरू होने के साथ ही विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की चहल-पहल दिखाई दी। प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन सुबह 10:00 बजे से किया गया, जिसमें परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से लगभग 15 मिनट पहले ही परीक्षा कक्षों में प्रवेश करा दिया गया। हालांकि, भीषण ठंड और कुछ विद्यालयों में कमरों में पर्याप्त रोशनी न होने के कारण छात्र-छात्राओं को

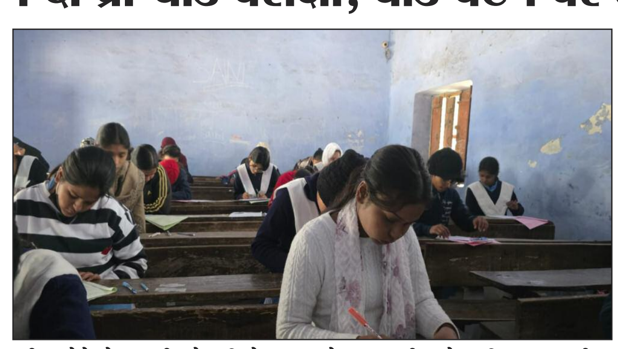

परीक्षा देने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ठंड के चलते कई परीक्षार्थी कंबल और गर्म कपड़ों में परीक्षा केंद्र पहुंचे। इसके बावजूद छात्र-छात्राएं परीक्षा को लेकर उत्साहित नजर आए और अनुशासन के साथ परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र बोर्ड परीक्षा के पैटर्न पर ही तैयार किए गए थे। इससे छात्र-छात्राओं को आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी में काफी सहायता मिलेगी और उन्हें प्रश्नपत्र के पैटर्न को पहले से समझने का अवसर मिलेगा। शिक्षकों का कहना है कि प्री-बोर्ड परीक्षा का उद्देश्य छात्रों की तैयारी को परखना और कमजोरियों को समय रहते दूर करना है। नगर के एम क्यू इंटर कॉलेज, आरएसपी इंटर कॉलेज, बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज, सहसपुर के पब्लिक इंटर कॉलेज, मेवा नवादा स्थित एम रहमान इंटर कॉलेज, मूर्ति देवी इंटर कॉलेज सदाफल सहित अन्य विद्यालयों में प्री-बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुईं। विद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की निगरानी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं।

कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर दिखाई एकजुटता

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा का जन्मदिन सोमवार को बिजनौर में कांग्रेस कार्यकताओं ने उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता के साथ मनाया। जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने केक काटकर प्रियंका गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हुमायूं बेग ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने कहा कि मौजूदा दौर में देश को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो नफरत और विभाजन की राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों को साथ लेकर चले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही देश को लूट और विभाजन से बचा सकती है। समाज में जाति और धर्म के नाम

पर फैलाए जा रहे जहर पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा न कभी खत्म हुआ है और न ही होगा। यह देश महात्मा गांधी के विचारों का देश है, जहां हर समाज और वर्ग को साथ लेकर चलने की परंपरा रही है। हेनरीता राजीव सिंह ने कहा कि देश को प्रियंका गांधी वाड्रा जैसे मजबूत और संवेदनशील नेता की जरूरत है और आने वाले समय में वे देश का नेतृत्व कर सकती हैं। शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग ने प्रियंका गांधी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सरल, सहज और करुणा से भरी नेता हैं। उनके भीतर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की झलक दिखाई देती है, जो हर कांग्रेस कार्यकर्ता का मनोबल बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी की राजनीति आम आदमी की आवाज को मजबूती देती है। जन्मदिन के अवसर पर जिला और शहर कांग्रेस कमेटी ने संविधान की रक्षा, मनरेगा योजना को मजबूत करने और मनरेगा मजदूरों के हितों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने का संकल्प लिया। कार्यकताओं ने कहा कि इन मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा और जरूरत पड़ी तो वे हर बलिदान के लिए तैयार हैं। इस मौके पर पूर्व आईएएस आर. के. सिंह, मुजफ्फरनगर कोऑर्डिनेटर चितवन शर्मा, मुहम्मद हनीफ, वरिष्ठ नेता मुहम्मद अकबर, मुहम्मद सलीम, वसीम अकरम, गुलशन कुमार, आदित्य सिंह, मिथलेश वर्मा, कमरूनीसा, अभिनव भारद्वाज, विकास अग्रवाल एडवोकेट, अनिल त्यागी, कलीराम, मुस्तकीम, मुकीम अहमद, मो. इब्राहिम, अब्दुल्लाह, रईस अहमद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पशु चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

चांदपुर /बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पशु चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। कुछ दिन पहले का है, जब ग्राम हैजरपुर निवासी छतरपाल सिंह ने थाना पर तहरीर देकर बताया कि अज्ञात चोरों ने उसके घर पर बंधी कटिया चोरी कर ली। इसी दिन मोहल्ला सरायरफी फीना बस्ती निवासी रईस अहमद ने भी थाना चांदपुर में शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर में बंधी भैंस चोरी हो गई है। दोनों तहरीरों के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान 9 जनवरी को पुलिस ने इन मामलों से जुड़े एक आरोपी मोहम्मद फहाद

निवासी मोहल्ला शाहचन्दन को गिरफ्तार करते हुए चोरी की गई एक भैंस और एक कटिया बरामद कर ली थी। पूछताछ में अन्य आरोपियों के नाम भी प्रकाश में आए, जिनमें जुबैर, शानिब उर्फ मुन्ना और रिहान के नाम समाने आए सभी थाना चांदपुर क्षेत्र के बताए गए।पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को उपरोक्त मामलों में नामजद जुबैर और शानिब उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस के अनुसार इस गिरोह में शामिल एक अन्य आरोपी रिहान अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए दबिशें दी जा रही हैं।पुलिस का कहना है कि पशु चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

सिरसा में टिकट बुकिंग क्लर्क गिरफ्तार, लाखों का किया था घोटाला

सिरसा : सिरसा में रेलवे में टिकट बुकिंग क्लर्क द्वारा लाखों का घोटाला करने का मामला सामने आया है। यहां रेलवे में टीटी के पद पर कार्यरत पति की मौत के बाद अनुकंपा के आधार पर टिकट बुकिंग क्लर्क के पद पर नियुक्त ज्योति शर्मा को जीआरपी ने 2.29 लाख रुपये के गबन के मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी कर्मचारी ने अपने दूसरे पति और खुद के शौक पूरे करने के लिए राशि गबन की। डिजिटल डाटा रिकॉर्ड और कैश जमा करवाने में अंतर मिलने पर मामले की जांच के लिए अंबाला के एसपी ने एसआईटी गठित की थी। जानकारी के अनुसार एसआईटी प्रभारी नरेश कुमारी ने बताया कि मुख्य टिकट बुकिंग अधिकारी राजीव शर्मा ने शिकायत दी थी कि पिछले साल 18 व 19 अक्टूबर को रेलवे में जमा होने वाली राशि में 1,15,265 रुपये की कमी मिली। इसके बाद सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी गई। बाद में 21 और 22 अक्टूबर का कुल कैश 1,13,960 रुपये स्टेशन की अलमारी में रखकर दोनों चाबियां राजीव शर्मा अपने पास लेकर स्टेशन अधीक्षक से मिलने चले गए। लौटने पर अलमारी से कैश गायब मिला, जबकि दोनों चाबियां उनके पास ही थीं। उस समय टिकट बुकिंग क्लर्क

ज्योति शर्मा मौके पर मौजूद नहीं थी। इसके बाद जीआरपी पुलिस को सूचना दी गई। 22 अक्तूबर 2025 को ज्योति शर्मा को निलंबित कर दिया गया था। गबन की सूचना पर पहुंचे उच्चाधिकारी मामला सामने आने के बाद बीकानेर मंडल की उच्च स्तरीय टीम डबवाली पहुंची। 12 सदस्यीय टीम ने टिकट बुकिंग से जुड़े डिजिटल डाटा व कैश रिकॉर्ड की जांच की। इसके साथ ही आरोपी के दो वर्षों के कार्यकाल के रिकॉर्ड की भी गहन जांच शुरू की गई। 6 जनवरी को एसआईटी ने आरोपी ज्योति शर्मा को हनुमानगढ़ से गिरफ्तार किया था। अदालत से दो दिन का पुलिस रिमांड लिया गया। रिमांड के दौरान गबन की राशि बरामद की गई और कई अहम तथ्य सामने आए। रिमांड पूरा होने पर आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। डुप्लीकेट चाबी का इस्तेमाल कर निकाला था कैश एसआईटी प्रभारी नरेश कुमारी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अलमारी की तीसरी डुप्लीकेट चाबी का इस्तेमाल कर कैश निकाला था। यह चाबी उसने एक फेरी वाले से बनवाई थी। आरोपी पहले से कैश जमा होने की प्रक्रिया पर नजर रखे हुए थी। मूल रूप से बीकानेर निवासी ज्योति शर्मा अपने दूसरे पति के साथ हनुमानगढ़ में रहती है। पूछताछ में सामने आया कि उसने गबन की राशि से कार, बुलेट मोटरसाइकिल और गहने खरीदे।

गुड़गांव में पड़ने लगा पाला, ग्रामीण और मैदानी इलाकों में तापमान 1 डिग्री तक पहुंचा

गुड़गांव, (ब्यूरो): पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होने के बाद अब मैदानी क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। दिल्ली एनसीआर में जहां दिन के वक्त तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह रहा है वहीं, रात में तापमान लुढ़ककर 1 डिग्री तक भी पहुंच रहा है। हालात यह है कि अब ग्रामीण और मैदानी क्षेत्रों में पौधों पर बर्फ की हल्की चादर भी देखने को मिल रही है। सुबह के वक्त हरियाली भी सफेद चादर ओढ़े नजर आई। देर रात से सुबह के वक्त सुन्न कर देने वाली सर्दी पड़ने लगी है।मौसम विभाग के अधिकारियों की मानें तो गुड़गांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तापमान एक डिग्री तक देखने को मिला। गांव रिठौज सहित सोहना के

आसपास के क्षेत्रों में आज सुबह पाला देखने को मिला। यहां सुबह के वक्त खेत में लगी फसल और पौधों पर पाले की सफेद चादर देखने को मिली। सुबह के वक्त काफी ठिठुरन भी महसूस की गई जिससे बचने के लिए लोग अलाव सेकते भी नजर आए। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले 2 से 3 दिन तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। वहीं, ठंड से बचने के लिए सिविल सर्जन डॉ लोकवीर ने भी लोगों को घर पर ही रहने की सलाह दी है। डॉ लोकवीर की मानें तो इस सर्दी के मौसम में लोग बीमार होने लगे हैं।

सबसे ज्यादा ठंड का प्रभाव बच्चों और बुजुर्गों पर देखा जा रहा है। ठंड से बीमार होने वालों की संख्या भी अब अस्पताल में बढ़ने लगी है। ओपीडी में जहां पहले 250 से 300 मरीज आते थे वहीं, अब इनकी संख्या 400 तक पहुंच गई है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि बेवजह घर से बाहर न निकलें। अगर निकलें तो ठंड से बचाव के लिए टोपी, जुराब, दस्ताने पहनकर बाहर निकलें। खास तौर पर सुबह व शाम के वक्त घर पर ही रहें।

प्रोजेक्ट लॉन्च करने के नाम पर बिल्डर ने ऐसे कर दिया करोड़ों का घोटाला

गुड़गांव,(ब्यूरो): बिल्डर द्वारा गुड़गांव- फरीदाबाद रोड पर एक प्रोजेक्ट लॉन्च करने के नाम पर करोड़ों रुपए का घोटाला कर दिया। पीड़ित ने अपने परिवार के साथ करीब 38 करोड़ रुपए निवेश किए थे। रुपए लेने के बाद भी न तो उन्हें कोई जमीन दी गई और न ही रुपए वापस कराए। पीड़ित ने पुलिस को अवगत कराया कि बिल्डर ने साल 2024 के अंत तक 132 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला किया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर जांच करते हुए डीएलएफ फेज-1 थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, डीएलएफ छत्तरपुर रोड दिल्ली के रहने वाले यश भारद्वाज ने शिकायत में कहा कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों अनुज, पूजा, अनुजा के साथ मिलकर गुड़गांव फरीदाबाद रोड पर निनानिया एस्टेट द्वारा लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट प्रिज्म होटल एंड सूट्स में करीब 38 करोड़ रुपए निवेश किए थे। साल 2016 में लॉन्च किए गए इस प्रोजेक्ट को साल 2019 में पूरा करना था। उन्होंने बताया कि जब यह प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया गया तो उन्होंने बिल्डर से संपर्क किया और रुपए वापस करने के लिए कहा। आरोप है कि बिल्डर ने जो उन्हें पोस्ट डेटेड चेक दिए वह चैक बाउंस हो गए। इस पर बिल्डर ने मामले को संभालने के लिए उन्हें अपनी बिल्डर कंपनी निनानिया एस्टेट में शेयर भी दे दिया।उन्होंने पुलिस को बताया कि 31 दिसंबर 2024 तक बिल्डर पर उनका व उनके परिवार का करी 132 करोड़ रुपए बकाया हो गया जिसे वापस देने से बिल्डर ने इंकार कर दिया। इस पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मामले को जांच के लिए आर्थिक अपराध शाखा में भेज दिया। जांच के दौरान मामला सही पाया गया जिसके बाद डीएलएफ फेज-1 थाना पुलिस ने निनानिया एस्टेट कंपनी सहित इसके डायरेक्टर, प्रमोटर प्रतीक राव, विजय सिंह राव, जय प्रकाश शर्मा, श्रीकांत, राहुल कुमार पाठक, रामफल यादव, नीता यादव, गीता यादव, बिरेंद्र सिंह, तारा चंद यादव, कमल बजाज को नामजद करते हुए केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रुपए वापस लेने के लिए किया था दोस्तों का अपहरण, तीसरा गिरफ्तार

गुड़गांव, (ब्यूरो): रुपयों के लेनदेन के विवाद में दो दोस्तों का अपहरण करने के मामले में तीसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आज अदालत में पेश किया जाएगा। आरोपियों ने 6 दिसंबर को दो दोस्तों का अपहरण किया था और परिवार को फोन कर पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। मामले में दोनों ही दोस्त किडनैपर्स के चंगुल से छूटकर रामपुरा फ्लाईओवर के पास पहुंच गए थे। मामले में कार्रवाई करते हुए गुड़गांव पुलिस ने पहले दो आरोपियों को काबू कर लिया था। अब सूचना के आधार पर मामले में संलिप्त तीसरे आरोपी को भी काबू कर लिया गया है।पुलिस के मुताबिक, 7 दिसंबर 2025 को एक व्यक्ति ने खेड़कीदौला थाना पुलिस को शिकायत दी कि 6 दिसंबर को इसकी बेटी के मोबाइल पर इसके बेटे राहुल (उम्र-21 वर्ष) का कॉल आया।

इसे फोन करके कहा कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो वो दोनों की हत्या कर देंगे। डर और भय के कारण यह व इसका परिवार गुरुग्राम पहुंचा, लेकिन राहुल का फोन बंद मिला।अगले दिन 7 दिसंबर को राहुल का कॉल आया, जिसने राहुल ने बताया कि उसे और उसके दोस्त कृष्णा को कुछ लोगों ने किडनैप कर लिया है और उन्हें छुड़ाने के लिए हयात होटल में 1 लाख रुपये लेकर आने को कहा है। इसके पश्चात राहुल के मोबाइल से पुनः कॉल आया, जिसमें बताया कि रियान और दानिश नामक व्यक्ति बहुत खतरनाक हैं और अब 5 लाख रुपये की मांग की जा रही है, साथ ही पुलिस को सूचना न देने की चेतावनी दी गई। इसी दौरान राहुल व कृष्णा के मित्र मयंक ने भी बताया कि वह और कृष्णा अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भागकर रामपुरा फ्लाईओवर के पास खड़े हैं। मौके पर पहुंचने पर राहुल व कृष्णा ने बताया कि उनके मित्र मयंक ने ही उन्हें रियान व दानिश के पास छोड़ा था, जिन्होंने उनका अपहरण करके फिरौती की मांग की। मामले में केस दर्ज कर खेड़कीदौला थाना पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों दानिश, रियान को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में अब कार्रवाई करते हुए कल रोहतक के रहने वाले मयंक (19) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मयंक ने केस में पीड़ित राहुल को करीब 2 लाख रुपए दिए हुए थे। आरोपी मयंक ने राहुल से अपने 2 लाख रुपए वापस लेने के लिए अपने अन्य साथी आरोपी दानिश व रियान के साथ मिलकर राहुल का अपहरण करके रुपए वापस लेने की योजना बनाई। योजनानुसार 6 दिसंबर 2025 को उक्त आरोपी मयंक राहुल व कृष्णा को अपने साथ ग्रेटर नोएडा (उत्तर-प्रदेश) ले गया और दानिश व रियान के माध्यम से दोनों युवकों का अपहरण करवाया, फिर दोनों को गुरुग्राम लाकर उनके परिजनों से 5 लाख रुपये की फिरौती मांगने की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी को आज अदालत में पेश किया जाएगा। मामले में अब तक कुल 3 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

फसलों पर मंडराया पाले का खतरा, कृषि वैज्ञानिकों ने बताया ऐसे बचाव करें किसान

हरियाणा : हरियाणा में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। आज सुबह प्रदेश में सबसे ज्यादा पाला पाया गया। पाले की वजह से गेहूं की फसल को फायदा है। यह फसल को बढ़ने से रोकता है और फुटाव करता है। अभी गेहूं की फसल में दूसरा और तीसरा पानी चल रहा है। बताया जा रहा है कि पाला पड़ने से सरसों, आलू, मटर, मूली की फसलों में नुकसान होने की आशंका है। पिछले तीन दिन से लगातार हल्का पाला पड़ रहा था। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान सरसों व अन्य फसलों को पाले से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करें। जिन किसानों ने गर्मी की सब्जी तैयार की है वह अपनी फसल को या कपड़ा बांधकर ढक कर रखें। फसल के पास में धुआं करें। ताकि किसान को किसी तरह का नुकसान ना हो। गेहूं की फसल के लिए पाला फायदेमंद है।

पत्नी ने मामा के साथ मिलकर किया पति का कत्ल ! परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

गुड़गांव, (ब्यूरो): पुलिस ने वीरवार को सेक्टर-37 शनि मंदिर के पास झाड़ियों में मिले क्षत-विक्षत शव की शिनाख्त कर ली है। पुलिस जांच में पता चला कि युवक का नाम फैजल इदरीसी था। जो यूपी के कानपुर के मीलपुर छावनी का रहने वाला था। वह गुरुग्राम के कादीपुर में पत्नी उजमा के साथ रहता था। कानपुर से पहुंचे परिजनों ने पत्नी और उसके मामा पर हत्या का आरोप लगाया है।दरअसल, सेक्टर-37 में शनि मंदिर के पास पेट्रोल पंप के पीछे झाड़ियों में वीरवार को एक राहगीर ने शव पड़ा देखा। उसकी सूचना पर सेक्टर 10 थाना

पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं फोरेंसिक टीम डॉग स्क्वॉड को साथ लेकर मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और आसपास के लोगों को बुलाकर पहचान की कोशिश की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। काफी प्रयास के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉच्युरी भेज दिया गया। मामले में पुलिस ने शव की शिनाख्त कर ली। शव कानपुर के मीलपुर छावनी का रहने वाले फैजल इदरीसी का था। जो गुरुग्राम के कादीपुर में पत्नी उजमा के साथ रहता था।पुलिस कादीपुर में उनके मकान पर पहुंची तो उजमा गायब मिली। वहीं कानपुर से पहुंचे परिजनों ने पत्नी उजमा और उसके मामा पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना हे कि फैजल से उनकी आखिरी बार 23 अक्तूबर को बातचीत हुई थी। इसके बाद से उसका फोन स्विच ऑफ आ रहा था। आरोप है कि फैजल का शव हाथ पैर बांध कर फेंका गया था। परिजनों की शिकायत पर सेक्टर 10ए थाना पुलिस ने हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

करनाल में बुजुर्ग दंपति की हत्या, घर में हाथ-पांव बंधे मिले दोनों के शव, इलाके में फैली सनसनी

करनाल : करनाल जिला में असंध से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक बुजुर्ग दंपति के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों मृतक दंपति की पहचान हरिसिंह और लीला के रूप में हुई है। दोनों कबाड़ी का काम किया करते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार हरिसिंह नंबरदार थे। घटना की जानकारी मिलने पर उनके पोते ने मौके पर पहुंचकर देखा तो दोनों कमरे के अंदर मृत पड़े थे और हाथ-पांव बंधे हुए थे। डीएसपी गोरखपाल राणा ने बताया किसी ने दोनों की गला घोंटकर हत्या की हुई है। बाकी जांच का विषय है। शुरूवाती जांच में लूटपाट का मामला नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची हुई है। दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस टीमें आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती, सुलभ और प्रभावी हों- मुख्यमंत्री

गुड़गांव, (ब्यूरो): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए राज्य के स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी बनने वाली सभी जिम्मेदार संस्थाओं का हरियाणा में स्वागत है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मजबूत ढांचे के साथ-साथ निजी क्षेत्र की जांच एवं चिकित्सा सेवाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर सेक्टर 12ए स्थित भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप न्यास गुरुग्राम द्वारा संचालित 'विवेकानंद आरोग्य केंद्र' में प्रेम सागर हृदय रोग चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जी के 163 वें जन्मदिवस पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति तथा पोंगल पर्व की शुभकामनाएं भी दी। हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती, सुलभ और प्रभावी हों इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। विवेकानंद आरोग्य केंद्र जैसे संस्थान इन प्रयासों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के फिट इंडिया के संदेश से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियाणा में आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि धन के अभाव में कोई भी गरीब नागरिक इलाज से वंचित न रहे। प्रदेश में आयुष्मान भारतझचिरायु योजना के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 34 लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से लगभग 25 लाख मरीजों के इलाज पर 4,500 करोड़ रुपये के क्लेम दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये वार्षिक तक निःशुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है, जिसके अंतर्गत अब तक 26,513 बुजुर्गों के इलाज पर 53 करोड़ 57 लाख रुपये के क्लेम प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है कि प्रत्येक जिले के सरकारी अस्पतालों में वही आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों, जो निजी अस्पतालों में मिलती हैं। इसी दिशा में पहले चरण में 10 जिला अस्पतालों में ऐसी सुविधाएं शुरू की जा चुकी हैं, जबकि 12 अन्य जिला अस्पतालों में इन सुविधाओं को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ उपचार अपने जिले में ही उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्था को सहयोग करने वाले गणमान्य को सम्मानित करने के साथ-साथ संस्था को 31 लाख रुपये की सहयोग राशि देने को घोषणा भी की। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघ चालक पवन जिंदल, भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन, विवेकानंद आरोग्य केंद्र के अध्यक्ष विनोद मित्तल तथा सहयोगी मुकेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय सह संघचालक प्रताप यादव, प्रांत प्रचारक डॉ सुनील कुमार, गुरूग्राम विधायक मुकेश शर्मा, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा व अन्य मौजूद रहे।

खबर एक्सप्रेस

हिन्द केसरी सोनू अखाड़े के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीते 7 मैडल

बहादुरगढ़ : हिन्द केसरी सोनू अखाड़े के पहलवानों ने एक बार फिर से बहादुरगढ़ का गौरव बढ़ाने का काम किया है। अखाड़े के 7 पहलवानों ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 3 गोल्ड और 4 कांस्य पदक हासिल किए हैं। पदक विजेता पहलवानों का अखाड़े में जोरदार स्वागत किया गया। 5 से 9 जनवरी तक चंडीगढ़ में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया गया था। बता दें कि हिन्द केसरी सोनू अखाड़े के पहलवान कपिल ने 60 किलो भार वर्ग और हरदीप छिल्लर ने 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन कुश्ती स्पर्धा में गोल्ड मैडल हासिल किया है। हरदीप छिल्लर वर्ल्ड और एशिया चैंपियनशिप में भी कई मैडल हासिल कर चुका है। वंही फ्रीस्टाइल कुश्ती के पहलवान रोहित दलाल ने 57 किलो भार वर्ग में गोल्ड मैडल हासिल किया है। इसी तरह फ्रीस्टाइल कुश्ती के 92 किलो भार वर्ग में राहुल दलाल ने कांस्य पदक हासिल किया है। वंही ग्रीको रोमन कुश्ती के 67 किलो भार वर्ग में कुणाल दलाल ने, 87 किलो भार वर्ग में कपिल फलस्वाल और 63 किलो भार वर्ग में साहिल दलाल ने कांस्य पदक हासिल किया है। साहिल दलाल ने सीनियर नेशनल कुश्ती में गोल्ड मैडल भी हासिल किया है। 60 किलो भार वर्ग में अब साहिल सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए खेलेगा। साहिल ने सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल जीतने का भरोसा जताया है। जब पहलवान पदक जीतकर अखाड़े में लौटे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। कुश्ती प्रशंसकों, कोच और साथी पहलवानों ने फूलमाला और मिठाई खिलाकर बधाई दी। हिन्द केसरी सोनू अखाड़े में अर्जुन अवार्डी कोच धर्मेंद्र पहलवान और अर्जुन अवार्डी कोच ओमबीर पहलवान सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच पहलवानों की तैयारी करवा रहे हैं। अर्जुन अवार्डी पहलवान और कोच धर्मेंद्र दलाल का कहना है मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। जो निरन्तर अभ्यास और लगन से मेहनत करता है उसे सफलता जरूर मिलती है।

सुबह दुकानदारों ने खोली दुकानें तो अंदर का नजारा देख उड़े होश

सिरसा : सिरसा शहर में एक बार फिर चोरों के हौसले बुलंद नजर आए, जबकि पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। सिरसा शहर के व्यस्तम इलाके रोड़ी बाजार में देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने एक साथ तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी को अंजाम दिया। इस घटना के बाद व्यापारियों में भारी रोष देखने को मिल रहा है और बाजार में दहशत का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही सिरसा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के साथ फिंगर प्रिंट्स एक्सपर्ट टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से अहम सुराग जुटाने का प्रयास किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए छत के रास्ते दुकानों में दाखिल हुए। चोरों ने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम दिया और कीमती सामान व नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। दुकानों के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। टीम ने दुकानों के काउंटर, अलमारियों और अन्य स्थानों से फिंगर प्रिंट्स लिए, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि कैमरों में चोरों की गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसमें वे छत से उतरते और दुकानों के अंदर घुसते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस इन फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने में जुटी हुई है। इस वारदात के बाद रोड़ी बाजार के दुकानदारों में नाराजगी है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। रात के समय पुलिस गश्त न के बराबर होती है, जिसका फायदा चोर उठा रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से रात्री गश्त बढ़ाने और बाजार में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। दुकानदार रीतू बाला ने बताया कि पड़ोस की दुकान का ताला तोड़कर छत से उनकी दुकान में घुसे है और उनकी दुकान में भी चोरी की है। दुकान में रखा कीमती सामान लेकर फरार हो गए है। वहीं प्रवीण कुमार ने बताया कि उनकी दुकान से तकरीबन 3 लाख रुपए कैश चोरी हुआ है और कुछ कीमती सामान भी चोरी हुआ है। जांच अधिकारी गोपाल सिंह का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज और फिंगर प्रिंट्स की मदद से आरोपियों तक पहुंचा जाएगा। फिलहाल सिरसा पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। इस घटना ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि पुलिस कितनी जल्दी इस मामले का खुलासा कर पाती है और चोरों को सलाखों के पीछे पहुंचाती है।

मंदिर से चांदी के छत्र और नकदी चोरी करने वाले गिरफ्तार

रेवाड़ी : बावल थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर गांव स्थित बाबा बड़देव मंदिर में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान खेड़ा तिगांव निवासी मोहित, बांसली निवासी सचिन और खेड़ा ठाकरान निवासी महावीर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। सोमवार को डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों ने 5 जनवरी की रात बाबा बड़देव मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोरी से एक दिन पहले तीनों आरोपी बाइक पर मंदिर पहुंचे थे और रेकी की थी। इसके बाद अगली रात मंदिर से चोरी कर फरार हो गए थे। घटना के बाद बावल थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। डीएसपी ने बताया कि रविवार को पुलिस ने चोरी के दो मुख्य आरोपी मोहित और सचिन के साथ चोरी में मदद करने वाले तीसरे आरोपी महावीर को झाबुआ-सुबा सेहड़ी रोड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी, ताकि चोरी गया सामान बरामद किया जा सके। चोरों ने बाबा बड़देव मंदिर से करीब ढाई लाख रुपये कीमत के चांदी के छह छत्र और लगभग 50 हजार रुपये नकद चोरी किए थे।

डब्ल्यूपीएल फैंस को लगा बड़ा झटका ! नवी मुंबई चुनाव के कारण बिना दर्शकों के खेले जाएंगे 3 बड़े मैच?

नवी मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई नगर निगम चुनाव के चलते 15 जनवरी को डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दर्शकों के बिना खेले जाने की संभावना है। ESPNcricinfo के अनुसार, पुलिस ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि डब्ल्यूपीएल और चुनाव के बीच होने वाले टकराव के दिन क्रिकेट के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करना संभव नहीं होगा।

यह अभी भी अनिश्चित है कि 14 और 16 जनवरी को होने वाले मैच भी दर्शकों के बिना खेले जाएंगे या नहीं। डब्ल्यूपीएल के आधिकारिक ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म पर 14, 15 और 16 जनवरी के मैचों के टिकट उपलब्ध नहीं हैं, जिससे संभवतः निम्नलिखित मैच प्रभावित होंगे- 14 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स, 15 जनवरी को मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स और 16 जनवरी को गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु।

ये मैच नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले जाएंगे। 17 जनवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम में होने वाले दो मैचों (एमआई बनाम यूपीडब्ल्यू और डीसी बनाम आरसीबी) के टिकट बिक रहे हैं। इसके बाद लीग शेष सीजन के लिए वडोदरा में स्थानांतरित हो जाएगी। शुक्रवार को डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में लगभग सभी स्टेडियम खचाखच भरे हुए थे, और सप्ताहांत में खेले गए दोनों मैचों में भी अच्छी खासी भीड़ देखी गई। फिलहाल, गुजरात जायंट्स 2 जीत के साथ डब्ल्यूपीएल तालिका में शीर्ष पर है, जबकि मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस दूसरे स्थान पर है।

अब तमिलनाडु और केरल में बांग्लादेश के मैच आयोजित कर सकता है आईसीसी

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपने मैच भारत से बाहर कराने की मांग की है। बीसीबी ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से भारत में अपनी टीम नहीं भेज सकता। इसलिए उसके मैच श्रीलंका में कराये जायें। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इसके लिए तैयार नहीं है। विश्व कप में अब काफी कम समय है। जिसको देखते हुए आईसीसी चाहता है कि बांग्लादेश के मैच भारत में ही कराये जाये पर मैच स्थल बदल दिये जाये। इसी को देखते हुए आईसीसी वैकल्पिक स्थलों के तौर पर तमिलनाडु और केरल में मैच रखना चाहता है। इसी को देखते हुए उसने क्रिकेट संघ और केरल क्रिकेट संघ से भी संपर्क किया है, जिससे बांग्लादेश के मैचों को चेन्नई और तिरुवनंतपुरम में स्थानांतरित किया जाये।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) और केरल क्रिकेट संघ (केसीए) भी बांग्लादेश के मैचों को कराने के लिए तैयार है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में पहले से ही 7 मैच होने हैं। टीएनसीए के अनुसार उनके पास 8 पिचें हैं, इसलिए उन्हें बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी में कोई परेशानी नहीं होगी। वहीं केरल क्रिकेट संघ ने भी कहा है कि वह बांग्लादेश के मैचों के लिए तैयार है। वहीं हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने प्रस्ताव रखा कि अगर बांग्लादेशी टीम भारत नहीं जाती है तो इन मैचों की मेजबानी के लिए पीसीबी तैयार है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश को भारत में चार लीग मैच खेलने हैं। इसमें से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गये हैं जबकि जबकि एक लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रखा गया है। टी20 विश्व कप के वेन्यू को लेकर ये पूरा विवाद बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किये जाने से शुरु हुआ। इसके बाद से ही बांग्लादेश बोर्ड ने कहा कि वह सुरक्षा कारणों से अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा।

सुंदर की जगह आयुष बडोनी बचे हुए दो एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली के युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। बडोनी को ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह पर न्यूजीलैंड के खिलाफ बचे हुए दो एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। बडोनी ने पिछले कुछ समय में दिल्ली की ओर से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं ऑलराउंडर सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। बडोनी के चयन से साफ है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को कितना महत्व देता है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में क्षेत्ररक्षण करते समय बाईं निचली में चोट लग गयी थी। इसी कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वह हालांकि बल्लेबाजी के लिए लौटे पर सहज नहीं दिखे। जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी है।

वहीं पहली बार टीम में शामिल 26 साल के बडोनी घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपने शांत स्वभाव और मैच फिनिश करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। वह अब राजकोट में टीम से जुड़ेंगे, जहां दूसरा वनडे खेला जाना है।

भारतीय टीम इस प्रकार है: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बदोनी।

रोहित एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, गेल को पीछे छोड़ा

वडोदरा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दो छक्के लगाते ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अब रोहित एकदिवसीय में सबसे अधिक 329 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम था, गेल ने 328 छक्के लगाये थे। पहले एकदिवसीय में भारतीय टीम ने 301 रनों का लक्ष्य हासिल करते हुए जीत दर्ज की थी। रोहित ने इस मैच में पहले और दूसरे ओवर में दो छक्के लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 650 छक्के भी पूरे किये। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। रोहित हालांकि बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 9वें ओवर में काइल जैमीसन की गेंद पर पेवेलियन लौट गए। उन्होंने 29 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाकर 26 रन बनाए। रोहित के नाम अब एकदिवसीय में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 329 छक्के हो गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर खिसके गेल को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 328 छक्के हैं। वहीं गत वर्ष उन्होंने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्कों का शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड भी तोड़ा था।

सोफी डब्ल्यूपीएल में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स की सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ के चौथे मुकाबले में एक ही ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाकर 32 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही सोफी डब्ल्यूपीएल में एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने इस ओवर में कुल 32 रन बनाये इससे ये लीग का सबसे महंगा ओवर बन गया है। इस मैच में गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेथ मूनी और सोफी डिवाइन की आक्रामक बल्लेबाजी से अच्छी शुरुआत की।

सोफी ने केवल 25 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। ये लीग इतिहास का सबसे महंगा ओवर रहा है। वहीं इससे पहले दीप्ति शर्मा ने साल 2025 में यूपी वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ एक ही ओवर में 28 रन बनाये थे। वहीं एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी तनुजा कंवर हैं। तनुजा ने , साल 2023 में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ एक ही ओवर में 27 रन बनाये थे। इस मैच का पावरप्ले डब्ल्यूपीएल इतिहास का दूसरा सबसे महंगा पावरप्ले था। इससे पहले साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में ही 87 रन बना दिये थे।

टीम प्रबंधन चाहता है कि मैं गेंदबाजी साथ ही बल्लेबाजी पर भी ध्यान दूं : हर्षित राणा

वडोदरा । यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले एकदिवसीय मैच में हर्षित राणा ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर अपने चयन को सही साबित किया है। हर्षित के इस प्रदर्शन से भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में चार विकेट से जीत हासिल की थी। हर्षित के अनुसार टीम प्रबंधन ने उन्हें गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी का भी अभ्यास करने कहा है जिससे वह जरूरत पड़ने पर रन बना सकें। राणा ने कहा, प्रबंधन चाहता है कि वह एकदिवसीय में एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के तौर पर उभरें। विकेट लेने के साथ ही वह निचले क्रम में भी कुछ रन बना सकें। साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों के इस प्रकार भरोसा करने से मेरा मनोबल भी बढ़ा है। राणा ने कहा, अब मेरा काम है कि मैं लगातार मेहनत करता रहूं। मैं नेट्स में बल्लेबाजी पर भी काफी काम कर रहा हूं। टीम की योजना मुझे नंबर आठ के आसपास बल्लेबाजी के लिए उतारना है।

कैरियर के अंतिम चरण में भी विराट में गजब का है जुनून : शास्त्री

वडोदरा । भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह करियर के अंतिम चरण में भी ऐसे खेल रहे हैं जैसे की शुरुआत में खेलते थे। उनके खेल में वही जुनून और गंभीरता व रनों की भूख दिखती है जो किसी खिलाड़ी के करियर की शुरुआत में देखी जाती है। उनकी फिटनेस और मैच में अपना सौ फीसदी योगदान देना अलग ही नजर आता है। शास्त्री ने कहा कि कोहली का तो ये रूटीन है और उन्होंने भारतीय के कप्तान शुभमन गिल को लेकर कहा कि वह अगला कोहली होगा। इस मैच में विराट और शुभमन की साझेदारी कमाल की रही। जब दोनों बल्लेबाजी कर रहे थे तभी कमेंटेटर ने पूछा, भारत के इस आधुनिक महान क्रिकेटर से नई पीढ़ी क्या सीख सकती है? इसी को देखते हुए शास्त्री ने विराट की जमकर प्रशंसा की। शास्त्री ने कहा, 'एक समय पर एक ही चीज पर ध्यान। जब मैं टीम के साथ कोच के तौर पर था तब मैंने देखा कि मेहनत में कोई उनसे आगे नहीं है। मैंने देखा है कि वह कैसे काम करते हैं। सुबह में कितने कैच पकड़ते हैं। आउटफील्ड में कैच फिर कीपर के ग्लव में थ्रो। उनकी बैटिंग और बाकी सारी चीजें, ये तो रूटीन है बस।' शास्त्री ने साथ ही कहा, 'विराट की तरह का पेशेवर रुख कसी योजना से नहीं आता। ये एक प्रणाली है। ये अंदर से क्रिकेट को जीने का तरीका है। अगर शुभमन को भी इसी रास्ते पर जाना है तो उन्हें इससे अच्छी तरह देखना होगा।

आकाश चोपड़ा ने पहले मैच के बाद इस खिलाड़ी की तारीफ की, धोनी से की तुलना

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रविवार को वडोदरा के कोटांबी में BCA स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में भारत की 4 विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाली केएल राहुल की नाबाद 29 रन की पारी के बाद उनकी बहुमुखी प्रतिभा और फिनिशिंग क्षमता की तारीफ की। 301 रनों का पीछा करते हुए भारत मुश्किल में पड़ गया था जब उसका स्कोर 242/5 हो गया था, तब भारतीय ऑलराउंडर हर्षित राणा क्रीज पर केएल राहुल के साथ आए।

राहुल ने सावधानी से खेलते हुए राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का मौका मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की जिसमें ज्यादातर रन उन्होंने खुद बनाए।

राहुल ने 49वें ओवर तक बड़े शॉट खेलने से परहेज किया। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। जियोस्टार पर बोलते हुए आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल की शांत और समझदारी भरी पारी की तारीफ की, उनकी बहुमुखी प्रतिभा, लक्ष्य का पीछा करने की गति और दबाव में शांत रहने की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने डेथ ओवरों में राहुल के नियंत्रण की तुलना एमएस धोनी से की और फिनिशर की भूमिका में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उनकी तारीफ की।

चोपड़ा ने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ इस पहले वनडे में केएल राहुल का बैटिंग का तरीका दिलचस्प था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर जानते हैं। लेकिन यहां हर्षित राणा और चोटिल वॉशिंगटन सुंदर के साथ बैटिंग करते हुए वह अलग थे। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी खत्म कर देंगे, लेकिन उन्होंने अपना समय लिया। 49वें ओवर में उन्होंने जो पहली गेंद मारी वह बाउंड्री वाली गेंद नहीं थी, लेकिन उन्होंने बाउंड्री लगा दी। उनमें आसानी से बाउंड्री ढूंढने की काबिलियत है और वह जब चाहते हैं तब शॉट मारते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'वह उन गेंदों पर सिंगल ले रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही मौकों का इंतजार किया। एक अलग तरीके से उनकी वर्सेटिलिटी ही उनकी सबसे बड़ी खूबी है। उनसे ओपनिंग करने को कहो, विकेटकीपिंग करने को कहो, या स्टैंड-इन कप्तान बनने को कहो, वह सब करेंगे। उन्होंने बस अभी तक बॉलिंग नहीं की है, वह बाकी है। इन डेथ ओवर्स में चेज को इतनी अच्छी तरह से कंट्रोल करना, धोनी की तरह नर्व्स को कंट्रोल करना, केएल राहुल को सलाम। वह मॉडर्न क्रिकेट की सबसे मुश्किल भूमिका फिनिशर में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।'

बार्सिलोना ने रियाल मैड्रिड को हराकर फिर से जीता स्पेनिश सुपर कप

जेद्दा । राफिन्हा के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में रियल मैड्रिड को 3–2 से हराया। राफिन्हा का 73वें मिनट में किया गया विजयी गोल संयोगवश आया, जब शॉट मारते समय वह फिसल गए और गेंद मैड्रिड के डिफेंडर राउल असेंसियो से टकराकर गोलकीपर थिबाउट कर्टोइस को चकमा दे गई। फाइनल के पहले हाफ का अंत बेहद रोमांचक रहा, जब ब्रेक से पहले स्टॉपेज टाइम में तीन गोल हुए, जिनमें से दो रियाल मैड्रिड ने और एक बार्सिलोना ने किया। पिछले साल के फाइनल में भी बार्सिलोना ने रियाल मैड्रिड को 5–2 से हराया था, जिसमें राफिन्हा ने दो गोल किए थे। बार्सिलोना ने 16वां सुपर कप खिताब जीता, जो किसी भी अन्य क्लब से अधिक है। रियाल मैड्रिड 13 खिताब के साथ दूसरे स्थान पर है। घुटने की चोट के कारण मिनी–सुपर कप टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए काइलियन एमबाप्पे 76वें मिनट में मैदान पर उतरे, लेकिन रियाल मैड्रिड को बराबरी दिलाने में नाकाम रहे। बार्सिलोना ने 36वें मिनट में राफिन्हा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। उसके लिए रॉबर्ट लेवांडोस्की ने भी गोल किया। रियाल मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर और गोंजालो गार्सिया ने गोल किए।

शिखर धवन ने अपनी गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से की सगाई

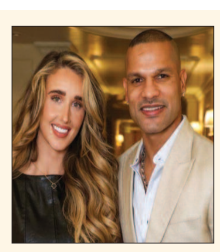

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपनी गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से सगाई करने की घोषणा की। धवन के फॉलोअर्स ने इस खबर का गर्मजोशी से स्वागत किया है, कई लोगों ने खुशी जताई और कहा कि इस साल कपल की शादी को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। शिखर धवन ने आज इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'एक जैसी मुस्कान से लेकर एक जैसे सपने। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और हर शुभकामना के लिए शुक्रगुजार हूं, क्योंकि हमने हमेशा साथ रहने का फैसला किया है।' 35 साल की सोफी शाइन आयरिश नागरिक हैं और नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉर्पोरेशन में प्रोडक्ट कंसल्टेंट के तौर पर काम करती हैं। वह फिलहाल अबू धाबी में रहती

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में इस बार केवल युगल में ही उतरेंगे किर्गियोस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस इस बार 18 जनवरी से शुरु हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन में केवल युगल मुकाबलों में ही उतरेंगे। किर्गियोस ने कहा है कि इस बार वह एकल में नहीं खेलेंगे। युगल में उनके जोड़ीदार हमवतन थानासी कोकिनाकिस रहेंगे। किर्गियोस ने सोशल मीडिया में लिखा, मैं इस साल केवल ऑस्ट्रेलियन ओपन युगल में ही इसलिए उतर रहा हूं क्योंकि में अपने शरीर पर अधिक दबाव नहीं देना चाहता हूं। यह टूर्नामेंट मेरे लिए सब कुछ है पर मैं अपनी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को अवसर देना चाहूंगा जो बेहतर प्रदर्शन कर सके। मैं अगले साल एकल में भी वापसी करुंगा। किर्गियोस ने फिट नहीं होने के कारण साल 2025 में केवल पांच मैच खेले थे। पिछले माह न्यूयॉर्क और दुबई में प्रदर्शनी मैचों की एक सीरीज के साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में वापसी की थी। किर्गियोस को पिछले कुछ समय में कई गंभीर चोटों का सामना करना पड़ा है। इससे उनके करियर पर काफी असर आया है। इससे उनकी रैंकिंग फिसलकर 673 पर आ गई है। वह साल 2022 के बाद से ही केवल एक ग्रैंड स्लैम मैच खेल पाये हैं। इसके बाद से ही घुटने और कलाई की सर्जरी के कारण उनको काफी समय तक खेल से बाहर रहना पड़ा था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में इन रिकॉर्ड्स पर रहेगी भारतीय युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज़ में तूफानी प्रदर्शन कर चर्चा में आए वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 वर्ल्ड कप में इतिहास रचने को तैयार हैं। 15 जनवरी से शुरू हो रहे इस मेगा टूर्नामेंट में भारत की युवा टीम यूएसए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वैभव की बल्लेबाज़ी का अंदाज़ आक्रामक है और उनके आंकड़े बताते हैं कि वह जहां भी खेले हैं, बड़े स्कोर किए हैं। ऐसे में अंडर-19 वर्ल्ड कप में उनसे कई बड़े रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद की जा रही है।

छक्कों का सबसे बड़ा रिकॉर्ड खतरे में

वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी पहचान उनकी बाउंड्री हिटिंग है। उनके कुल रनों का बड़ा हिस्सा चौकों और छक्कों से आता है। अंडर-19 वर्ल्ड कप के एक सीज़न में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड फिलहाल साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस के नाम है, जिन्होंने 2022 में 18 छक्के लगाए थे। वैभव की आक्रामक शैली को देखते हुए माना जा रहा है कि यह रिकॉर्ड इस बार टूट सकता है।

स्ट्राइक रेट में नया कीर्तिमान संभव

अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड भारत के शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 2004 में 93.51 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। वैभव सूर्यवंशी आमतौर पर 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। ऐसे में उनका यह आंकड़ा टूर्नामेंट में नया बेंचमार्क सेट कर सकता है और यह रिकॉर्ड भी इतिहास बन सकता है।

सबसे ज्यादा रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड

अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सरफराज खान के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2014 से 2016 के बीच 566 रन बनाए थे। वैभव सूर्यवंशी की निरंतरता और बड़ी पारियां खेलने की आदत को देखते हुए यह रिकॉर्ड भी उनके निशाने पर है, खासकर अगर भारत टूर्नामेंट में आगे तक जाता है।

शतकों की संख्या में भी बदलाव संभव

इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड फिलहाल जैक बर्नहैम और शिखर धवन के नाम है, दोनों ने तीन-तीन शतक लगाए हैं। वैभव सूर्यवंशी का शतक लगाने का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। अगर वह अपने फॉर्म को बरकरार रखते हैं, तो शतकों की यह सूची भी बदल सकती है।

सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर पर नजर

अंडर-19 वर्ल्ड कप में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 191 रन का है, जो 2018 में हशिता बोयागोडा ने बनाया था। अब तक कोई भी बल्लेबाज़ इस टूर्नामेंट में दोहरा शतक नहीं लगा पाया है। वैभव सूर्यवंशी के पास न सिर्फ इस रिकॉर्ड को तोड़ने बल्कि इतिहास में पहला दोहरा शतक लगाने का भी सुनहरा मौका है।

किसी भी अन्य जॉनर की तरह ही चुनौतीपूर्ण होती है कॉमेडी

फुकरे फिल्म में एक्टर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की केमिस्ट्री ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। यह जोड़ी एक बार फिर फिल्म राहु–केतु के जरिए धमाल मचाने आ रही है। फिल्म के रिलीज से पहले वरुण और पुलकित ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के टाइटल से लेकर शूटिंग के अनुभव के बारे में बताया। एक्टर वरुण शर्मा ने कहा, फिल्म का टाइटल राहु–केतु सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि करियर और दोस्ती के यादगार पल दिलाने वाला प्रतीक है। मैंने और पुलकित ने एक–दूसरे के साथ दस साल से ज्यादा समय बिताया है और यह हमारी पांचवीं फिल्म है। जैसे राहु और केतु हमेशा हमारे जीवन में चलते रहते हैं। वैसे ही हमारी दोस्ती और काम करने का सफर भी बेहद खूबसूरत तरीके से आगे बढ़ रहा है।
फिल्म स्क्रिप्ट को लेकर वरुण ने कहा, राहु–केतु केवल दर्शकों को हंसाने वाली फिल्म नहीं है। इसके साथ ही इसमें एक संदेश भी छिपा है। फिल्म के लेखक और निर्देशक विपुल विग ने कहानी में इस तरह की परतें डाली हैं कि दर्शक फिल्म देखकर हल्का महसूस करेंगे। हंसते–हंसते खुद को और अपने कर्मों को भी समझ पाएंगे। इस फिल्म के जरिए नया साल हंसी और पॉजिटिविटी के साथ शुरू करने का मौका मिलेगा। पुलकित सम्राट ने कॉमेडी को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, कॉमेडी किसी भी अन्य जॉनर की तरह ही चुनौतीपूर्ण होती है। हर सीन में मेहनत लगती है और सही समय पर हंसी लाना बहुत मुश्किल होता है।
वहीं पुलकित ने कहा, वरुण से मैंने बहुत कुछ सीखा है, खासकर टाइमिंग के मामले में। उसके साथ काम करने से मेरी कॉमिक स्किल्स और परफॉर्मेंस में निखार आया है। मुझे कभी वरुण के साथ फिल्मों में काम करना बोरिंग नहीं लगा। लोग हमारी बॉन्डिंग को पसंद करते हैं। हम हर बार नए अंदाज में आते।

'जन नायकन' के बाद विजय के फिल्मों से दूरी बनाने पर मालविका मोहनन ने जताया दुख

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज फिलहाल टल गई है। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म सेंसर सर्टिफिकेट न मिल पाने के कारण रिलीज नहीं हो सकी। फिल्म का मामला अभी भी मद्रास हाईकोर्ट में लंबित है। इस बीच अब विजय व 'जन नायकन' के सपोर्ट में तमिल इंडस्ट्री उतर आई है। इस बीच आज ही रिलीज हुई प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की अभिनेत्री मालविका मोहनन ने थलापति विजय को लेकर बात की है। साथ ही 'जन नायकन' के बाद विजय के फिल्मों से संन्यास लेने पर उन्होंने निराशा जताई है।

विजय की फिल्में बनाती हैं त्योहार जैसा माहौल

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान मालविका मोहनन ने 'जन नायकन' के बाद विजय के सिनेमा से दूरी बनाने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके सभी प्रशंसकों की तरह मुझे भी बड़े पर्दे पर उनकी कमी खलेगी। उनकी हर फिल्म रिलीज होती है, तो ऐसा लगता है जैसे कोई त्योहार हो। उनकी फिल्म रिलीज से पहले पूरे तमिलनाडु के माहौल में जबरदस्त जोश और उत्साह होता है। इसे महसूस करने के लिए आपको वास्तव में चेन्नई, तमिलनाडु में होना पड़ेगा। बहुत कम अभिनेता अपनी फिल्मों की रिलीज के समय ऐसा माहौल बना पाते हैं।

विजय कभी खुद को सुपरस्टार जैसा नहीं समझते

मालविका ने थलापति विजय के साथ 'मास्टर' फिल्म में काम भी किया है। विजय के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि 'मास्टर' में उनके साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। आपको ऐसा महसूस नहीं होता कि आप किसी बड़े सुपरस्टार के साथ काम कर रहे हैं। वह बहुत ही प्यारे, विनम्र और एक बेहतरीन इंसान हैं और आपकी बातों को अच्छे से सुनते हैं। वह सचमुच आपके बारे में जानना चाहते हैं। वह सुनते हैं, लोगों को परखते हैं और उनकी समझ बहुत गहरी है।

इस वजह से टली 'जन नायकन' की रिलीज

एच. विनोथ द्वारा निर्देशित जना नायकन राजनीतिक करियर में कदम रखने से पहले विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। यह फिल्म 9 जनवरी यानी आज ही रिलीज होनी थी। लेकिन सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिला। इसके बाद मेकर्स मद्रास हाईकोर्ट गए, लेकिन अब तक वहां भी फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर कोई फैसला नहीं आया है। इस वजह से फिल्म की रिलीज फिलहाल टल गई है। मेकर्स ने एक बयान जारी कर इस बारे में बताया कि भारी मन से हम अपने सभी दर्शकों के साथ यह खबर साझा कर रहे हैं। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली जन नायकन की रिलीज कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दी गई है, जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है।

'द राजा साब' में नजर आई हैं मालविका मोहनन

मालविका मोहनन प्रभास स्टारर द राजा साब में नजर आई हैं। 'द राजा साब' आज यानी 9 जनवरी को ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस हॉरर–कॉमेडी फिल्म में प्रभास और मालविका के अलावा निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

रोमांटिक कॉमेडी में अच्छी कहानियों की तलाश कर रही हैं दीपिका पादुकोण

हाल ही में दीपिका पादुकोण ने मुंबई में अपने फैंस के लिए एक स्पेशल फैन मीट सेशन रखा था। इस दौरान एक्ट्रेस देश भर के 50 फैंस से मिलीं। इस सेशन में फैंस ने दीपिका से खूब सवाल पूछे और उन्होंने सबका जवाब भी दिया। सेशन के दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो कब किसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी? इस पर उन्होंने जवाब दिया– 'मुझे पूरी उम्मीद है कि बहुत जल्द। जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह मेरी पसंदीदा जोनर है। एक ऑडियंस के तौर पर भी और एक एक्ट्रेस के तौर पर भी। मुझे लगता है कि अभी के माहौल में दर्शक कुछ अलग देखना चाहते हैं। लेकिन अगर आप में से इतने सारे लोग रोमांटिक कॉमेडी देखना चाहते हैं, तो मुझे यकीन है कि पब्लिक का एक बड़ा हिस्सा यही चाहती है।'
जैसे ही दीपिका ने यह कहा एक फैन ने ऋतिक रोशन का नाम लिया। सेशन के होस्ट ने इस बात पर वहां मौजूद फैंस से एक एक पोल कराया कि रोमांटिक कॉमेडी में दीपिका को किसके साथ काम करना चाहिए... ऋतिक रोशन, शाहरुख खान या उनके पति रणवीर सिंह। फैंस ने शाहरुख और ऋतिक के नाम पर चीयर किया लेकिन सबसे ज्यादा रणवीर सिंह के नाम को समर्थन मिला। बातचीत के दौरान, दीपिका ने शाहरुख खान, रणवीर सिंह या रणबीर कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में स्क्रीन साझा करने की संभावना के बारे में बात की और स्वीकार किया कि वो इस जोनर में अच्छी कहानियों की तलाश कर रही हैं। ऐसी अफवाह चल रही है कि दीपिका अयान मुखर्जी की अगली रोमांटिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर के साथ काम कर सकती हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।
उन्होंने कहा– यह ऐसी चीज है जिसकी तलाश में मैं और मेरी टीम लगी रहती हैं। हम लगातार ड्रामा, लव स्टोरी, रोमांटिक कॉमेडी, जैसे जोनर की फिल्में ढूंढते रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि इस तरह के कंटेंट को सपोर्ट करने वाले या इस समय इस तरह की फिल्में और टीवी शो लिखने वाले बहुत कम मेकर्स हैं।' दीपिका ने अपने फैंस से यह भी पूछा कि क्या वे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को ओटीटी पर देखना पसंद करेंगे या थिएटर में। फैंस ने जवाब में थिएटर कहा। फिर दीपिका ने पूछा– अगर मैं ओटीटी पर काम करूं तो क्या आप नाराज होंगे? एक फैन ने जवाब दिया– आप बड़े पर्दे के लिए ही बनी हैं। एक अन्य फैन ने मजाकिया अंदाज़ में कहा– जब तक आपका किरदार नहीं मरता, तब तक सब ठीक है। दीपिका हंसते हुए कहती हैं– मेरी मां भी यही कहती रहती हैं। बता दें कि दीपिका की कई फिल्मों में उनके किरदारों की मौत हो जाती है, जिनमें उनकी पहली फिल्म ओम शांति ओम, गोलियों की रासलीला रामलीला, पद्मावत और जवान शामिल हैं। दीपिका जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म किंग में नजर आएंगी। इसके अलावा, वह अल्लू अर्जुन के साथ एटली की फिल्म में काम कर रही हैं।

प्रियदर्शन ने फिल्म धुरंधर की सक्सेस पर खुशी जताई

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की है। फिल्म ने दुनियाभर में 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली है। बुधवार को फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने फिल्म की सक्सेस पर खुशी जताते हुए इसके डायरेक्टर आदित्य धर को बधाई दी। बता दें कि आदित्य धर ने अपने करियर के शुरुआती दौर में प्रियदर्शन के साथ काम किया था और उन्हें वो उन्हें अपना गुरु मानते हैं। धर ने प्रियदर्शन की दो फिल्मों आक्रोश (2010) और तेज (2012) के डायलॉग लिखे हैं। प्रियदर्शन ने इंस्टाग्राम पर धर के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा कि अपने शिष्य को इतनी बड़ी सफलता हासिल करते देखना सबसे बड़ी खुशी होती है। उन्होंने धुरंधर की सफलता के लिए धर को बधाई और धुरंधर 2 के लिए शुभकामनाएं भी दीं। प्रियदर्शन की इस पोस्ट पर धन्यवाद देते हुए धर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, मेरे सबसे प्यारे प्रियदर्शन सर... यह मेरे लिए इतना मायने रखता है कि मैं इसे शब्दों में पूरी तरह कह भी नहीं सकता। आपने मुझ पर तब भरोसा किया, जब मैं कुछ भी नहीं था और मेरे पास सिर्फ कंविक्शन और कुछ लिखे हुए पन्ने थे।
उन्होंने आगे लिखा, आपने मुझे बराबरी का दर्जा दिया और सिर्फ काम ही नहीं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा कीमती चीजें दीं। सम्मान, भरोसा और अपनापन। एक ऐसी इंडस्ट्री में, जहां मैंने अक्सर यह सीखा कि क्या नहीं करना चाहिए, वहां आपने मुझे साफ तौर पर सिखाया कि क्या करना चाहिए। सिर्फ एक फिल्ममेकर के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। धर ने यह भी लिखा, आक्रोश और तेज के लिए डायलॉग लिखने से लेकर आज यहां तक पहुंचने तक, हर कदम पर आपकी छाप रही है। मैं हमेशा सबसे पहले आपका ही छात्र रहूंगा। हर चीज के लिए धन्यवाद, सर। यह सफलता जितनी मेरी है, उतनी ही आपकी भी है। फिल्म धुरंधर रिलीज के 35 दिन बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है।

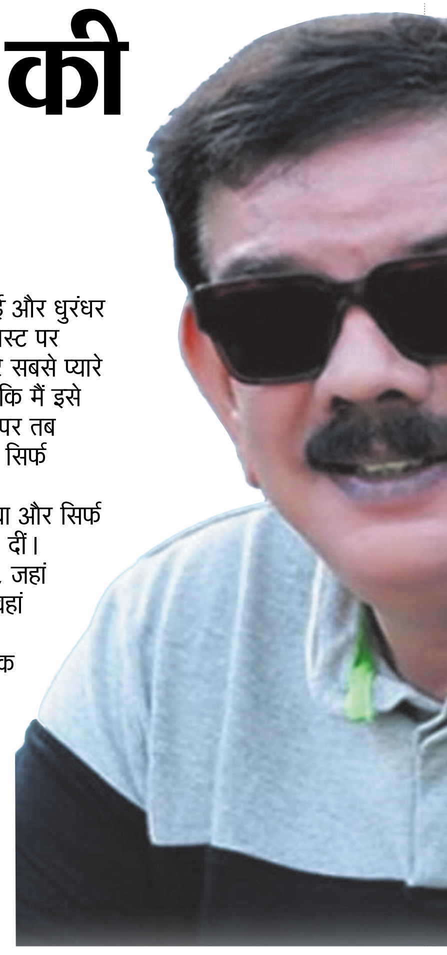

हमारी इंडस्ट्री में आज भी हीरो को पूजा जाता है

राशि खन्ना ने हिंदी फिल्म मद्रास कैफे से एक्टिंग का ककहरा सीखा, फिर जल्द ही तमिल–तेलुगू सिनेमा को भी साध लिया। पैन इंडिया कलाकार बन चुकीं राशि आने वाले दिनों में पवन कल्याण के साथ तेलुगू फिल्म उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगी। यही नहीं, वह तमिल फिल्म राउडी एंड कंपनी और हिंदी फिल्म तलाखों में एक और ब्रिज में भी दिखेंगी। ओटीटी पर भी अजय देवगन के साथ रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस और शाहिद कपूर की फर्जी में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है। बीते साल 2025 में तीन अलग–अलग भाषाओं में वह तीन फिल्मों – 120 बहादुर (हिंदी), तेलुसु कड़ा (तेलुगू) और अगाथिया (तमिल) में अलग–अलग किरदार में पसंद की गईं। करियर के इस पड़ाव पर राशि बहुत उत्साहित हैं।

आप दिल्ली में पली–बढ़ी, मुंबई में करियर शुरू किया, अब हैदराबाद में सेटल हैं, तो इन अलग–अलग शहरों ने आपको कैसे गढ़ा?

सच कहूं कि कभी–कभी मुझे लगता है कि मैं कौन हूं, क्योंकि मैं इतने किरदार निभाती हूं और वो किरदार करते हुए मैं वही बन जाती हूं। फिर वो तमिल हो, तेलुगू हो या हाल ही में मैंने पंजाबी, राजस्थानी, बंगाली किरदार किए तो मेरे मैनेजर बोलते हैं कि आप पैन इंडिया हैं (हंसती हैं)। मैं हैदराबाद में रहती हूं, तो यह शहर अब घर बन चुका है। दिल्ली और मुंबई मैं आती–जाती रहती हूं। मैं फूडी हूं और दिल्ली के खाने का कोई मुकाबला नहीं है। अच्छी बात ये है कि मेरी मम्मी साथ में रहती हैं तो वो दिल्ली वाले छोले भटूरे या कुल्चे छोले घर पर बना देती हैं। फिर भी, वेस्ट दिल्ली में एक ज्वाला हेरी मार्केट थी, जहां हम गोलगप्पे खाने जाते थे, तो वो टिक्की और गोलगप्पे अब भी याद आते हैं। मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां की सेफ्टी है। वहां रात के 12 बजे भी ऑटो लेकर कहीं भी जा सकते हैं, घूम सकते हैं। मैं जब मुंबई में रहती थी तो ऑटो में बहुत घूमती थी। अब भी कभी–कभी ऑटो लेकर चली जाती हूं, मगर मेरे मैनेजर मना करते हैं। मुंबई की एक अच्छी बात यह भी है कि यहां सब अपने काम से मतलब रखते हैं।

आपने बॉलीवुड फिल्म मद्रास कैफे से करियर शुरू किया था। फिर साउथ की ओर कैसे मुड़ीं? हिंदी में ही आगे बढ़ने का ख्याल नहीं आया?

असल में, मैं फिल्में देखकर बड़ी नहीं हुई हूं। मेरी सिनेमा में कोई रुचि भी नहीं थी तो जब मैंने मद्रास कैफे की तो ये नहीं सोचा था कि अरे, मैं स्टार बनूंगी या मुझे स्टार बनना है। मुझे बस उस सेट पर काम करना अच्छा लगा तो धीरे–धीरे मैं और काम करती गई। मैंने तो यह भी सोचा था कि मद्रास कैफे के बाद अगर ढंग की फिल्म नहीं मिली तो मैं कुछ और कर लूंगी। लेकिन तभी मुझे मेरी पहली तेलुगू फिल्म मिली, जो बहुत सारे लोगों को अच्छी लगी। फिर मुझे काम मिलता गया और मैं करती गई। मैंने कभी ये सब सोचा ही नहीं कि हिंदी करना है या साउथ में करना है। ये चीजें आपके हाथ में होती भी नहीं हैं। होता वही है जो किस्मत में होता है तो मैं इन चीजों में सरेंडर करना पसंद करती हूं। मुझे जहां अच्छी फिल्में मिलेंगी, मैं करूंगी।

आप बिना किसी फिल्मी कनेक्शन के यहां तक पहुंची हैं। एक आउटसाइडर होने का क्या खामियाजा महसूस हुआ?

यह जरूरी नहीं है कि अगर आप इंडस्ट्री से हैं तो आपको काम मिलता ही रहेगा। हो सकता है कि थोड़े समय तक मिले, पर आगे बढ़ने के लिए आपमें टैलंट होना भी जरूरी है। ये सही है कि हम जैसे बाहर से आए एक्टर्स को थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, पर मैं मेहनत से कभी नहीं डरी। मुझे पता था कि ये परिस्थितियां हैं, इनका मैं कुछ नहीं कर सकती। मेरे हाथ में सिर्फ मेरी मेहनत है। चाहे कोई फिल्म मुझे मिली या ना मिली, उसकी अलग–अलग वजहें होंगी, लेकिन मैंने खुद को कभी बेचारी या विक्टिम की तरह नहीं देखा। मैंने सिर्फ मेहनत की। रिजेक्शन भी मिला तो मैं समझती हूं कि ये बिजनेस है या उन्हें किसी और को फेवर करना है तो मैं बुरा नहीं मानती। मुझे लगता है कि जो आपकी किस्मत में है वो मिलना ही है। उसे आपसे कोई ले नहीं सकता।

इंडस्ट्री में गैर–बराबरी को लेकर बहुत सी एक्ट्रेसेज ने खुलकर बोला है। आपका इस मामले में क्या अनुभव रहा है?

हमारा समाज ही पितृसत्तात्मक है। इंडस्ट्री में भी हम थोड़ा हीरो वरशिप (हीरो की पूजा) करते हैं। इसलिए, उन्हें ज्यादा इज्जत मिलती है। हालांकि, अब चीजें बदल रही हैं, क्योंकि लड़कियां बोलने लगी हैं। फिर भी अभी पूरी तरह से नहीं बदली है तो निश्चित तौर पर सेट पर ट्रीटमेंट के मामले में एक्टर और एक्ट्रेस के बीच थोड़ा अंतर होता है, क्योंकि प्रोड्यूसर्स का कहना है कि जिसका बॉक्स ऑफिस पुल ज्यादा होगा, जो ज्यादा ऑडियंस लाएगा, उसे ज्यादा इज्जत मिलेगी। हो सकता है कि भविष्य में यह सोच बदले। उसमें वक्त लगेगा लेकिन चीजें बदलेंगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।